हरिभूमि
रायपुर भूमि

तपती गर्मी में राहत की खबर...

- आगामी मानसून तक जल प्रबंधन पर दबाव रहेगा कम

छत्तीसगढ़ के बांधों में बीते साल से बेहतर जल भंडारण
कुल क्षमता का 53.70 प्रतिशत पानी अभी भी उपलब्ध

- राज्य के 46 महत्वपूर्ण जलाशयों में कुल 3415.64 मिलियन घनमीटर (एमसीएम) पानी संग्रहित है, जो उनकी कुल भंडारण क्षमता का 53.70 प्रतिशत है।
- पिछले वर्ष इसी तिथि पर इन जलाशयों में कुल जल भंडारण 27 प्रतिशत था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

मानसून पूर्व छत्तीसगढ़ के प्रमुख और मध्यम जलाशयों में इस वर्ष जल भंडारण की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में काफी बेहतर बनी हुई है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राज्य के 46 महत्वपूर्ण जलाशयों में कुल 3415.64 मिलियन घनमीटर (एमसीएम) पानी संग्रहित है, जो उनकी कुल भंडारण क्षमता का 53.70 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी तिथि पर इन जलाशयों में कुल जल भंडारण 27 प्रतिशत था। इस प्रकार एक वर्ष में जल भंडारण में लगभग 1698 एमसीएम की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 32.39 प्रतिशत था। राज्य के सबसे बड़े जलाशय मिनीमाता बांगो बांध में वर्तमान में 1640.61 एमसीएम ▶▶| शेष पेज 11 पर

इन बांधों की स्थिति कमजोर

हालांकि कुछ जलाशयों में स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर बनी हुई है। केशवा जलाशय में केवल 8.15 प्रतिशत, कुम्हारी जलाशय में 4.58 प्रतिशत, मयाना में 0.23 प्रतिशत तथा परलकोट में 0.60 प्रतिशत जल भंडारण दर्ज किया गया है।

सिंचाई प्रबंधन को मिलेगी मजबूती

रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश जलाशयों से वर्तमान में सिंचाई अथवा अन्य प्रयोजनों के लिए सीमित मात्रा में ही पानी छोड़ा जा रहा है। राज्य में मानसून आगमन से पूर्व जलाशयों में उपलब्ध जल भंडारण किसानों और पेयजल व्यवस्था के लिए राहतभरी ▶▶| शेष पेज 11 पर

पिछले साल के मुकाबले मजबूत तस्वीर

छत्तीसगढ़ के 12 प्रमुख जलाशयों में इस वर्ष जल भंडारण की स्थिति पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर है। सबसे बड़े जलाशय मिनीमाता बांगो में वर्तमान में 56.69 प्रतिशत जल भंडारण है, जबकि पिछले वर्ष इसी तारीख को यह केवल 25.95 प्रतिशत था। इसी तरह गंगरेल में जल स्तर बढ़कर 48.97 प्रतिशत पहुंच गया है, जो पिछले साल के 31.18 प्रतिशत से काफी अधिक है। दूधावा 77.81, मुरूमसिल्ली 82.70, मनियारी 76.97, खारंग 65.69 और सोंढूर 62.96 प्रतिशत जल भंडारण है। प्रमुख जलाशयों में भी जल भंडारण पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर बना हुआ है। इससे स्पष्ट है कि अधिकांश बड़े बांधों में पर्याप्त जल उपलब्ध है। हालांकि कुछ प्रमुख जलाशयों में स्थिति चिंताजनक भी है। कोदार बांध में केवल 19.87 प्रतिशत और अरपा भैंसाझार बैराज में 28.35 प्रतिशत जल भंडारण है। केलो परियोजना में भी महज 31.62 प्रतिशत पानी उपलब्ध है।

खबर संक्षेप

क्लब में कैसीनो, पुलिस प्रशासन का छापा

रायपुर। अभनपुर थाना क्षेत्र के कोलार स्थित कल्पवृक्ष रिसोर्ट में खोखी जिमखाना क्लब में अवैध रूप से कैसीनो संचालित होने की सूचना पर ग्रामीण एसपी श्वेता सिन्हा के निर्देशन में पुलिस और प्रशासन की टीम द्वारा शनिवार को संयुक्त कार्रवाई की गई। क्लब में पोकर काड्र्स टेबल और रमी खेलने के लिए ताश की पत्ती और टेबल मिली, जिसे सील किया गया है और संचालकों को संचालन से संबंधित समस्त दस्तावेज पेश करने कहा गया है। क्लब महासमुंद निवासी किसी प्रशांत अग्रवाल तथा उसके साथी राजेश द्वारा संचालित किए जाने की बात सामने आई है। क्लब संचालक जब तक वैध दस्तावेज पेश नहीं करेंगे, तब तक क्लब सील रहेगा।

अर्बन पुलिसिंग प्रशिक्षण आकर्षक मार्च पास्ट

रायपुर। पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में तथा पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन में पुलिस कमिश्नरेट रायपुर में अर्बन पुलिसिंग प्रशिक्षण संचालित है। आज इस प्रशिक्षण में सम्मिलित प्रशिक्षणार्थियों का आकर्षक मार्चपास्ट एवं प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन पुलिस परेड ग्राउंड में हुआ। कार्यक्रम में राज्य के 25 जिलों से आए 247 पुरुष नव आरक्षक एवं 47 महिला नव आरक्षक के साथ ही रायपुर जिले के 22 नवनियुक्त नव आरक्षक भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में नव आरक्षकों ने अनुशासन, समन्वय, उमंग तथा उत्साह के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते हुये आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया । इस मार्च पास्ट में 11 प्लाटून जिनमें 8 पुरुष एवं 3 महिला प्लाटून सम्मिलित थे, जिन्होंने अपने प्रभावशाली परेड प्रदर्शन कर उपस्थित अधिकारियों एवं अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया।

वन विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी

रायपुर। वन विभाग में वनरक्षक की नौकरी दिलाने के नाम पर 11 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में सरस्वती नगर थाने की पुलिस ने जालसाज दीपराज गायकवाड़ को गिरफ्तार किया है। जालसाज ने बलौदाबाजार जिले के युवक प्रकाश कुमार ठाकुर को वन विभाग में सीधी भर्ती कराने का झांसा दिया और करीब एक वर्ष तक अलग-अलग किस्तों में 11 लाख रुपए वसूल लिए। विश्वास दिलाने के लिए उसने वनरक्षक पद पर नियुक्ति का फर्जी आदेश पत्र भी तैयार कर पीड़ित को सौंप दिया। जब पीड़ित ने विभाग में दस्तावेज की जांच कराई, तो पूरा मामला फर्जी निकला।

हर जगह बिल्डिंग ही क्यों खड़ी करनी है?

पिछले 10 साल में शहर के अंदर एक भी बगीचा विकसित नहीं कर पाया निगम

पानी की कमी और बढ़ते तापमान की चिंता, लेकिन पुराने निगम भवन में गार्डन नहीं, बनाएंगे काम्पलेक्स

> शहर में बहुमंजिली बिल्डिंग और कंक्रीट के बड़े स्ट्रक्चर ही जरूरी है या सांस लेने के लिए शुद्ध आबो हवा? पीने के लिए शुद्ध पानी के साथ लोगों को सुकून के साथ कुछ पल बिताने फूल पेड़ पौधे की हरियाली भी चाहिए। विडंबना ये है कि पिछले दस साल में रायपुर नगर निगम शहर के बीच एक भी नया बगीचा विकसित नहीं कर पाया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

शहर के बाशिदों का कहना है कि पुराने तालाबों में जहां पहले चारों ओर मिट्टी वाली परत हुआ करती थी, वहां सौंदर्यीकरण के नाम पर कंक्रीट कर रीटेंनिग वॉल खड़ी कर दी गई। अब स्थिति ये है, तालाबों का ग्राउंड वाटर रीचार्ज नहीं हो रहा है, इससे तालाब का पानी सूखने लगा है। तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। रायपुर शहर में अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव को देखते हुए खाली पड़ी शासकीय जमीन पर अर्बन फारेस्ट विकसित करने का सुझाव मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दिया गया है। पर्यावरण प्रेमी नितिन सिंघवी ने शहर में कम से कम 100 अर्बन फारेस्ट विकसित करने की जरूरत बताई है। यह आधा हेक्टेयर से लेकर 5 हेक्टेयर और अधिकतम 10 हेक्टेयर शासकीय खाली पड़ी जमीन पर शहरी वन के रूप में कम खर्च पर विकसित की जा सकती है।

समता कालोनी के भैंसथान की खाली पड़ी जमीन पर स्थानीय रहवासियों ने बगीचा और खेल ▶▶| शेष पेज 11 पर

प्लानिंग में एक्सपर्ट नहीं होना सबसे बड़ी दिक्कत

एनआईटी के सिविल इंजीनियर प्राध्यापक डॉ. समीर बाजपेई का कहना है, प्लानिंग में अर्बन प्लानिंग एक्सपर्ट, जल स्त्रोत एक्सपर्ट और मौसम संबंधी विशेषज्ञ के नहीं होने से यह स्थिति निर्मित होती है। सरकारी योजना में अधिकारी पर निर्भर रहने के बजाय विभिन्न विषय के एक्सपर्ट को शामिल करना चाहिए। आज विकास की सोच आर्थिक पहलू पर केंद्रित होकर रह गयी है। अर्बन प्लानिंग को आम आदमी की जरूरत के हिसाब से हरियाली, पानी, खेल मैदान और सिविक सेंस को ध्यान में रखकर बनाया जाना चाहिए। इसमें समग्र विकास की जरूरत है।

- बड़े कंक्रीट स्ट्रक्चर की जरूरत नहीं, शहर में 100 अर्बन फारेस्ट चाहिए
- तालाबों के चारों तरफ रिटेनिंग वॉल से ग्राउंड वाटर रीचार्जिंग पर सीधा असर

बढ़ते कंक्रीटीकरण से आत्मदाह की स्थिति : नितिन सिंघवी पर्यावरण प्रेमी

शहर में विकट जलवायु के चलते आत्मदाह की स्थिति बन रही है, जो आने वाले समय में और खतरनाक रूप ले सकती है। कांक्रीट, लोहा और डामर की सड़कें दिन में गर्मी सोखती है, और रात में उसे धीरे-धीरे छोड़ती है, जिससे शहरों में तापमान बढ़ जाता है। कालोनियों में बनाए गए अनावश्यक कांक्रीट और पेवर शोल्डर्स को हटाकर मिट्टी या हरित ▶▶| शेष पेज 11 पर

आक्सीजोन की तर्ज पर 3 से 4 जगहों पर हरित क्षेत्र जरूरी

नगर निगम के पेनल्ड आर्किटेक्ट मनीष पिल्लेवार का कहना है, शहर के लिहाज से हरित क्षेत्र बहुत जरूरी है, डब्लूएचओ ने प्रति व्यक्ति के कितना हरित क्षेत्र हो इसका पैमाना तय किया है। देश में बहुत सारी जगहों पर इस पर काम हुआ है। हरित क्षेत्र विकसित होने से शहर का तापमान नियंत्रित रहता है। बहु मंजिला भवन निर्माण में ऐसी संरचना पर ध्यान दिया जाता है वह जगह ठंडा बना रहे,ग्लास भी उसी तरह से उपयोग करते हैं। अर्बन हीट आइलैंड इंपेक्ट सभी शहरों की समस्या है। हार्ड सरफेस बढ़ा है। कांक्रीट रोड, फुटपाथ में पेवर, गार्डन में चलने फिरने की जगह पेवर एक बड़ी समस्या है। जबकि गांवों में जहां मिट्टी की परत है वहां तपिश कम है। विडंबना ये है मास्टर प्लान में जहां ग्रीनरी दिखाई ▶▶| शेष पेज 11 पर

पुलिस कमिश्नरेट में तड़ीपार की पहली कार्रवाई, लाइन में 15, चार पहले से जेल में

गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के आदतन बदमाश अविनाश कोसले के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। गांजा तस्कर रवि साहू की साढ़े सात करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति सफेमा के तहत अटैच करने के बाद एक अन्य मादक पदार्थ की तस्करी करने वाला तस्कर रूपिंदर की 15 लाख रुपए की संपत्ति सफेमा के तहत अटैच करने की तैयारी की जा रही है। सफेमा कोर्ट मुंबई से आदेश जारी होने के बाद रूपिंदर की संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने शनिवार को गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के आदतन बदमाश अविनाश कोसले उर्फ मनिया के खिलाफ ▶▶| शेष पेज 11 पर

इन पांच जिलों की सरहद से दूर रहना होगा

पुलिस कमिश्नर द्वारा जारी आदेश के मुताबिक छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(ख) के अंतर्गत अविनाश कोसले उर्फ मनिया को दिनांक 29 मई 2026 की सायं 05:00 बजे से रायपुर, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार एवं गरियाबंद जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने का आदेश दिया गया है। साथ ही उसे आगामी तीन माह की ▶▶| शेष पेज 11 पर

सफेमा के दायरे में एक दर्जन से ज्यादा तस्कर

मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े जिन तस्करों की संपत्ति जब्त करने सफेमा की कार्रवाई की जाएगी, उनमें मुकेश बनिया के साथ रूपिंदर का नाम सामने आया है। रूपिंदर के खिलाफ हेरोइन चिट्टा सहित अन्य तरह के सिंथेटिक ड्रग तस्करी में लिप्त रहने का आरोप है। इसके अलावा एक दर्जन से ज्यादा मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करों की पुलिस ने पहचान की है।

कोर्ट परिसर में युवक का सिर फोड़ा, वकीलों ने आरोपी को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोर्ट परिसर में पेशी में आए एक युवक ने दूसरे युवक के सिर पर कड़े से हमला कर सिर फोड़ दिया। मौके पर उपस्थित वकीलों ने सिर फोड़ने वाले युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना शनिवार दोपहर एक से डेढ़ बजे के बीच की है। घटना के बाद कोर्ट परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। बताया जा रहा है, दोनों शराब के नशे में धुत्त थे। सुनवाई के बाद कोर्ट परिसर से बाहर निकलने के दौरान घटना हुई।

- घटना के समय दोनों नशे में धुत थे, आठ साल पुराने मारपीट के प्रकरण में दोनों पक्ष पेशी में गए थे

एडीसीपी तारकेश्वर पटेल के अनुसार पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में करीब सात-आठ साल पुराने मारपीट के प्रकरण में सुनवाई के लिए राहुल सोनी तथा ध्रुवेश देवांगन पेशी में गए हुए थे। कोर्ट से बाहर निकलने के बाद ध्रुवेश तथा राहुल के ▶▶| शेष पेज 11 पर

मौके पर उपस्थित वकीलों ने बदमाश को घेरकर पकड़ा

घटना कोर्ट परिसर के सेकेंड फ्लोर की है। घटना के समय कोर्ट परिसर में काफी चहल पहल थी। युवक पर बदमाश द्वारा कड़ा से हमला किए जाने की घटना के बाद मौके पर उपस्थित प्रत्यक्षदर्शियों के साथ वकीलों ने वीडियो बनाया। साथ ही रायपुर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश देवांगन तथा अन्य वकीलों ने बदमाश युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

सुरक्षा पर उठे सवाल

कोर्ट परिसर में लोगों की उपस्थिति को देखते हुए जिस प्रकार से सुरक्षा व्यवस्था की गई है, इससे परिसर की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने की वजह से कोर्ट परिसर में आए दिन मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। बदमाश, वकीलों के साथ भी मारपीट की घटना को अंजाम दे चुके हैं। जिला बार एसोसिएशन पुलिस को कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ाने कई बार आवेदन दे चुका है, बावजूद इसके कोर्ट परिसर में सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई है।

लेन-देन विवाद पर हत्या, दो गिरफ्तार

रायपुर। गंज थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व युवक की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने मृतक के दो साथियों को गिरफ्तार किया है। आशीष गरुड़ की हत्या के आरोप में पुलिस ने राज नायक और प्रकाश सोना उर्फ टेरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पुराने लेन-देन के विवाद को लेकर दोनों बदमाशों ने आशीष पर चाकू से हमला किया था। घटना में गंभीर रूप से घायल आशीष की आंबेडकर अस्पताल में शुक्रवार को उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना एक दिन पूर्व 28 मई की रात करीब 12:30 बजे की है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी के घर पर खड़ी दोपहिया को किया आग के हवाले

आपसी रंजिश पर नाबालिग ने साथी संग मिलकर युवक को चाकू मारा, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में दो दिनों के भीतर दूसरी हत्या की वारदात हो गई। युवक की हत्या के आरोप में पुलिस एक नाबालिग तथा उसके एक अन्य साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

- मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में दो दिनों के भीतर हत्या की दूसरी वारदात

घटना शुक्रवार रात नौ से दस बजे के बीच की है। बताया जा रहा है, मृतक की बहन के साथ नाबालिग बात करता था। इस बात को लेकर नाबालिग का मृतक के साथ पूर्व में विवाद हो चुका है। इसी रंजिश पर नाबालिग ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। तोषण भारती की हत्या के संदेह में पुलिस ने गांव के ही रहने वाले करण ध्रुव तथा उसके एक नाबालिग साथी को हिरासत में लिया है। करण तथा उसके साथी के खिलाफ मृतक की मां सरस्वती भारती ने थाने में शिकायत दर्ज ▶▶| शेष पेज 11 पर

आक्रोशित ग्रामीणों ने की घर में आग लगाने की कोशिश

तोषण की हत्या की जानकारी मिलने पर आक्रोशित ग्रामीण नाबालिग के घर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने नाबालिग के घर को आग लगाने की कोशिश की। इस दौरान घर के बाहर खड़ी दोपहिया आग की चपेट में आकर पूरी तरह से जलकर राख में तब्दील हो गयी। घर में आग लगाने की कोशिश करने की घटना शनिवार की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को तितर बितर कर किसी तरह आग पर काबू पाया और घर के लोगों को घर से सुरक्षित बाहर निकाला।

पेट दर्द की गंभीर समस्या से था पीड़ित, निकालना पड़ा पित्ताशय

गंभीर ऑपरेशन को अधिक सटीकता और कम जोखिम के जरिए पूरा किया जा रहा

दिल्ली और रायपुर एम्स के डाक्टरों ने पहली बार मिलकर रोबोटिक सर्जरी को दिया अंजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

पेट दर्द की समस्या लेकर आए मरीज के इलाज के लिए स्थानीय एम्स के डाक्टरों ने दिल्ली एम्स के चिकित्सकों के साथ मिलकर रोबोटिक सर्जरी को अंजाम दिया। अधेड़ के इलाज के लिए रोबोटिक-असिस्टेड कोलेसिस्टेक्टॉमी (पित्ताशय निष्कासन) की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान दोनों संस्थानों के बीच ऑपरेशन की रणनीतियों, तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हुई। रायपुर, दिल्ली समेत देश के कुछ एम्स आने वाले मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की सुविधा दे रहे हैं। रोबोट की मदद से मरीजों के गंभीर ऑपरेशन को अधिक सटीकता और कम जोखिम के जरिए पूरा किया जा रहा है। इसी दौरान पहली बार दोनों संस्थानों के चिकित्सकों की टीम ने मिलकर 47 साल के मरीज की स्टोन से संबंधित समस्या का समाधान रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से पूरा किया। यह प्रक्रिया रियल-टाइम टेलीप्रेजेंस तकनीक की क्षमता को प्रदर्शित करती है, जिसके माध्यम से देश के अग्रणी स्वास्थ्य संस्थानों के बीच दूरस्थ शल्य सहयोग, ऑपरेशन के दौरान मार्गदर्शन तथा विशेषज्ञता का आदान-प्रदान संभव हुआ। इस प्लेटफॉर्म ने दोनों संस्थानों की सर्जिकल टीमों के बीच सतत संवाद सुनिश्चित किया, जिससे ऑपरेशन की रणनीतियों, तकनीकी पहलुओं, कार्यप्रवाह के अनुकूलन तथा महत्वपूर्ण चरणों में निर्णय लेने संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। एम्स दिल्ली की टीम का नेतृत्व सर्जिकल डिसिप्लिन्स ▶▶| शेष पेज 11 पर

स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य तकनीकी प्रगति पर

एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य केवल तकनीकी प्रगति पर ही निर्भर नहीं करेगा, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करेगा कि संस्थान अपनी नैदानिक क्षमताओं को सुदृढ़ करने तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए किस प्रकार प्रभावी सहयोग स्थापित करते हैं। जनरल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. देबज्योति मोहंती ने कहा कि यह सहयोग ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं नैदानिक मंच सिद्ध हुआ है।

31 मई
श्री विकास मरकाम जी
अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा एवं औषधि पादप बोर्ड
को जन्मदिन की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
श्रीमती विद्या सिदार
प्रदेश मंत्री
भाजपा छत्तीसगढ़
सत्यनारायण सिंह
प्रदेश अध्यक्ष
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
नंदलाल मुड़ामी
जिला पंचायत अध्यक्ष
दंतेवाड़ा
विजय जगत
प्रदेश महामंत्री
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
डॉ. देवेन्द्र माहला
प्रदेश महामंत्री
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
एम.डी. ठाकुर
प्रदेश उपाध्यक्ष
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
श्रीमती संगीता पोयाम
प्रदेश उपाध्यक्ष
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
शिवशंकर सिंह मेरावी
प्रदेश उपाध्यक्ष
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
टिकेश्वर राढ़िया
प्रदेश उपाध्यक्ष
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
श्रीमती नंदिनी नेताम
प्रदेश मंत्री
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
राजमन कोर्राम
प्रदेश मंत्री
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
आसु पोइेटी
प्रदेश मंत्री
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
जिलाराम राना
प्रदेश मंत्री
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
राजू नेताम
प्रदेश मंत्री
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
पूरन टेकाम
प्रदेश कार्यालय मंत्री
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा
योगेश ध्रुव
जिला अध्यक्ष
भाजपा अ.ज.जा. मोर्चा, रायपुर ग्रामीण
अजय ध्रुव
सभापति
जिला पंचायत धमतरी
सोमेश सोरी
जिला मंत्री
भाजपा बालोद
हिरामन ध्रुव
धमतरी
ललित नागेश
जशपुर
राजू नेताम
भिलाई
मनीश ध्रुव
रायपुर
विनीत : भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, छत्तीसगढ़

फर्जी प्रस्ताव तैयार किया, विरोध करने वाले ग्रामीणों पर दर्ज मामले झूठे

अल्दा में ग्रामीणों की मर्जी के बिना नहीं खुलेगी आयरन फैक्ट्रीः बघेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

ग्राम अल्दा में शनिवार को अल्दा एवं देवरी में प्रस्तावित स्पंज आयरन उद्योगों के विरोध में विशाल किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों और ग्रामीणों की सहमति के बिना किसी भी उद्योग को क्षेत्र पर नहीं थोपा जा सकता। सभा को संबोधित करते हुए भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि अल्दा में प्रस्तावित स्पंज आयरन फैक्ट्री के लिए फर्जी पंचायत प्रस्ताव तैयार किए गए हैं तथा विरोध करने वाले ग्रामीणों पर झूठे प्रकरण दर्ज कर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जमीन, जल और पर्यावरण की रक्षा के लिए उठ रही ग्रामीणों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने किसानों के आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए कहा कि यह लड़ाई अब पूरे क्षेत्र की लड़ाई बन चुकी है और इसे मिलकर लड़ा जाएगा।

महापंचायत में सबसे पहले ग्रामीणों ने मंच से अपनी बात रखते हुए स्पष्ट कहा कि वे किसी भी कीमत पर गांव में स्पंज आयरन फैक्ट्री नहीं खुलने देंगे। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक वर्ष से वे लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि एक भाजपा नेता के दबाव में पंचायत प्रस्ताव में अतिरिक्त पंक्तियां जोड़कर एनओसी जारी की गई और बाद में कथित रूप से जनसुनवाई की प्रक्रिया पूरी की गई, जबकि जनसुनवाई में किसी भी ग्रामीण ने फैक्ट्री के समर्थन में अपनी सहमति नहीं दी।

ग्रामीणों की बातें सुनने के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि नियमों के अनुसार जलाशयों का पानी पहले किसानों और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, उसके बाद ही उद्योगों को पानी देने का प्रावधान है। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी इच्छा के विरुद्ध फैक्ट्री नहीं खुलने दी जाएगी। उन्होंने पंचायत रजिस्टर में कथित कूटरचना करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ी तो महापंचायत के बैनर तले बड़ा आंदोलन किया जाएगा और वे स्वयं भी थाने के घेराव में शामिल होंगे।

पंचायत रजिस्टर में कूटरचना कराने वालों के खिलाफ थाने में शिकायत

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत रजिस्टर में कूटरचना कराने वालों के खिलाफ थाने में शिकायत देने और घेराव करने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत आंदोलन में शामिल लोगों को ही परेशान किया जा रहा है। ग्राम देवरी के ग्रामीणों ने भी महापंचायत में अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि जनसुनवाई के दौरान विरोध कर रहे लोगों को पुलिस द्वारा जबरन बसों में बैठाकर थाने ले जाया गया, ताकि वे अपनी आपत्ति दर्ज न करा सकें। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन और पुलिस पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कहा कि समोदा से कुम्हारी जलाशय तक लाए जाने वाले पानी को प्रस्तावित उद्योग को देने की तैयारी की जा रही है, जिसका वे पुरजोर विरोध करेंगे।

खाद की समस्या से किसान जूझ रहे

पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की सरकार खेती-किसानी को मजबूत करने के बजाय उद्योगों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने खाद, यूरिया, डीएपी और बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि किसान आज कई समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आंदोलन जारी रखने और विरोध करने वाले जनप्रतिनिधियों का लोकतांत्रिक तरीके से बहिष्कार करने का आह्वान किया। महापंचायत में हसदेव जंगल बचाओ आंदोलन से जुड़े पर्यावरण कार्यकर्ता आलोक शुक्ला ने भी ग्रामीणों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिस एकजुटता के साथ ग्रामीण अपने अधिकारों और पर्यावरण की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वह निश्चित रूप से रंग लाएगा। महापंचायत को शैलेश नितिन त्रिवेदीने भी स्भोधित किया। महापंचायत में क्षेत्र के 15 से 20 गांवों से हजारों किसान, महिलाएं और ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी, भाटापारा विधायक इंद्र कुमार साव, पूर्व विधायक जनक राम वर्मा.जिला कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू नामदेव, पूर्व जिला अध्यक्ष उधो राम वर्मा, दाससाहू, राहुल तेजवानी, अजितेश शर्मा, पूर्व विधायक अनीता शर्मा, बसंत आडिल,ओम ठाकुर,सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

शिक्षक की ट्रेन से कटकर हुई मौत, आत्महत्या की आशंका

आरंग। आरंग रेलवे स्टेशन में शुक्रवार शाम एक शिक्षक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आरंग पुलिस, रेलवे पुलिस, मृतक के परिजन एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है। मृतक की पहचान आशीष बघेल के (41) रूप में हुई है, जो अकोली (कला) स्थित शासकीय विद्यालय में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना शाम करीब 7:30 बजे की बताई जा रही है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। हालांकि, मृतक के करीबी लोगों के अनुसार वे कुछ समय से पारिवारिक समस्याओं को लेकर मानसिक तनाव में थे।

घटना के बाद शव को रेलवे ट्रैक से हटाने के लिए परिजनों को देर रात तक रेलवे पुलिस का इंतजार करना पड़ा। बताया जा रहा है कि करीब 11:30 बजे रेलवे पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद शव को ट्रैक से हटाकर कब्जे में लिया गया। देरी को लेकर मौके पर मौजूद लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी भिजवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। देर रात तक घटना स्थल पर आरंग नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन, बीईओ दिनेश शर्मा, शिक्षक सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पेज 9 के शेष

छत्तीसगढ़ के बांधों ...

पानी उपलब्ध है, जो क्षमता का 56.69 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी अवधि में यहां केवल 25.95 प्रतिशत जल भंडारण था। इसी प्रकार रविशंकर सागर (गंगरेल) में जल भंडारण बढ़कर 360.45 एमसीएम (48.97 प्रतिशत) पहुंच गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 239.15 एमसीएम (31.18 प्रतिशत) था। कई जलाशयों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर जल उपलब्धता खरीफ सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और औद्योगिक जरूरतों के लिए राहत देने वाली स्थिति दर्शाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य के सबसे बड़े जलाशयों में पर्याप्त जल संग्रह होने से आगामी मानसून तक जल प्रबंधन पर दबाव अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

सिंचाई प्रबंधन को ....

स्थिति माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर जल उपलब्धता से खरीफ सीजन में सिंचाई प्रबंधन को मजबूती मिलेगी तथा गर्मी के अंतिम दौर में पेयजल संकट की आशंका भी कम रहेगी।

पानी की कमी ....

मैदान विकसित करने की मांग करते हुए पूर्व में प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद भी नगर निगम प्रशासन ने इसे नजरअंदाज कर दिया। इसी तरह मालवीय रोड स्थित पुरानी निगम मुख्यालय की खंडहर पड़ी जमीन पर गार्डन बनाने की मांग रखी, क्योंकि न केवल रायपुर, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और बाहर से भी लोगों का कारोबार के सिलसिले में यहां आना-जाना लगा रहता है। यदि यहां लोगों के बैठने लिए कुर्सी लगाकर खाली जमीन पर सुंदर बगीचा बना दिया जाता, तो इससे लोगों को राहत मिलती। शहरी सरकार ने इसके उलट एमआईसी में यहां कमर्शियल बिल्डिंग और रूफटाफ रेस्टारेंट पीपीपी मोड पर तैयार करने की योजना बना ली, जबकि रूफ टॉप रेस्टारेंट का प्लान इससे पूर्व कलेक्टोरेट की मल्टीलेवल पार्किंग जयस्तंभ चौक के पास की मल्टीलेवल पार्किंग में भी शामिल रही, पर यह यह प्रयोग फ्लाप रहा। पंडरी के पुराने बस स्टैंड की जमीन भी एक अरसे से खाली पड़ी है, नगर निगम चाहे तो इस जमीन के कुछ हिस्से में गार्डन विकसित कर सकता है, पर आज तक इसकी जमीन की उपयोगिता ही तय नहीं हो पाई।

बढ़ते कंक्रीटीकरण से ....

सतह विकसित की जानी चाहिए, जिससे गर्मी कम हो और वर्षा जल जमीन में समा सके। समय की आवश्यकता है किसी भी विभाग में निर्णय लेने से पहले जलवायु संकट और जैव विविधता के पतन को ध्यान में रखें।

आक्सीजोन की तर्ज .....

जाती है, वास्तव में वहां इसके उलट स्थिति है यह बड़ी दिक्कत है। सुझाव ये है कि कलेक्टोरेट के पास स्थित आक्सीजोन की तर्ज पर शहर में 3 से 4 जगहों पर इस तरह का पेंच कर सकते हैं। इसका एक अच्छा प्रभाव वातावरण में पड़ेगा।

पुलिस कमिश्नरेट में ....

तड़ीपार की कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के खिलाफ तीनों जोन के सभी थानों के प्रभारियों को उनके क्षेत्र के आदतन बदमाश जो जेल जाने के बाद भी नहीं सुधर रहे हैं, ऐसे लोगों की सूची तैयार कर देने के निर्देश दिए गए हैं। आदतन बदमाशों के खिलाफ पुलिस कमिश्नर ने सख्त कार्रवाई करने की बात कहते हुए उन्हें जिला बदर करने की बात कही है। इसी तरह से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों की संपत्ति अटैच करने तीनों जोन के डीसीपी अपने-अपने क्षेत्र के तस्करों की संपत्ति की जानकारी जुटा रहे हैं। मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त से जुड़े लोगों की संपत्ति जब्त करने सफेमा की कार्रवाई की जाएगी। *16 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा :* पुलिस किसी बदमाश के खिलाफ जिला बदर करने अनुसंसा करती है, कार्रवाई पूरी करने तीन महीने का समय लगता है। पुलिस कमिश्नर के पास फरवरी में ही 16 बदमाशों के खिलाफ जिला बदर करने अनुसंसा की गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिला बदर की पहली कार्रवाई पुलिस कमिश्नर ने आदेश जारी किया है। आने वाले दिनों में बदमाशों के खिलाफ पुलिस कमिश्नर लगातार जिला बदर करने आदेश जारी करेंगे। जिन बदमाशों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की अनुसंसा की गई है, उनमें से चार जेल में बंद हैं। बदमाशों के जेल से निकलने के बाद उनके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की जाएगी।

इन पांच जिलों ....

अवधि, 30 अगस्त 2026 तक, सक्षम न्यायालय की पूर्व अनुमति के बिना उक्त जिलों की सीमाओं में प्रवेश नहीं करने निर्देश दिए गए हैं। अविनाश के खिलाफ गुढ़ियारी थाना में मारपीट, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट एवं जुआ एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

आपसी रंजिश पर ...

कराई है। सरस्वती ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को पलौद चौक पानी टंकी के पास बातचीत करने के लिए तोषण को बुलाया। इस दौरान पहले से ही हत्या करने की फिराक में बैठे नाबालिग तथा उसके साथी ने तोषण पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। तोषणा को उपचार के लिए आरंग अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोर्ट परिसर में युवक ....

बीच कहासुनी हुई। इस दौरान धृवेश ने अपने हाथ में पहने कड़ा को ऊपर चढ़ाया और राहुल के सिर पर वार कर दिया। सिर पर कड़ा लगने से राहुल के सिर से खून का फौवारा फूट पड़ा। *10-12 हजार लोग कोर्ट परिसर में पहुंचते हैं :* रायपुर जिला न्यायालय में 70 कोर्ट संचालित हैं, एक कोर्ट में औसतन 10-15 प्रकरणों की सुनवाई होती है। ऐसे में सुनवाई के दौरान अभियोजन तथा पीड़ित पक्ष से जुड़े डेढ़ से दो हजार लोग पेशी में पहुंचते हैं। इसके साथ ही दोनों पक्ष से जुड़े अन्य लोगों की संख्या पेशी में पहुंचने वालों से ज्यादा रहती है। कोर्ट परिसर में पूरे समय नोटरी कार्यालय से लेकर अन्य तरह के कार्य करने वाले लोगों को मिलाकर संख्या कई हजार हो जाती है। कोर्ट परिसर में पुलिस चौकी जरूर है, लेकिन वहां गिनती का बल रहता है। चौकी में उपस्थित बल केंद्रीय जेल से पेशी में लाए गए बंदियों की सुरक्षा में लगे रहते हैं। *आरोपी, पीड़ित मौसेरे भाई :* पुलिस द्वारा जारी बयान के अनुसार राहुल सोनी, रविन्द्र देवांगन और धृवेश की न्यायालय में वर्ष 2018 के मारपीट के प्रकरण में पेशी निर्धारित थी। पेशी में पहुंचे धृवेश तथा राहुल मौसेरे भाई हैं। पेशी के दौरान आरोपी ने अपने मौसेरे भाई राहुल को बोला कि कोर्ट में अच्छे से गवाही देना और गाली गलौज कर एक थप्पड़ राहुल को मारा। थप्पड़ लगने की वजह से राहुल सोनी का सिर दीवार के कोने में टकराने से चोट आई है। धृवेश के खिलाफ अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सुरक्षा बढ़ाने की मांग की जाएगी : कोर्ट में गंभीर अपराध से जुड़े बदमाशों से लेकर सभी तरह के लोगों की आवाजाही रहती है। सुरक्षा के नाम पर पुलिस चौकी जरूर बनाई गई है, लेकिन वहां गिनती के पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से कोर्ट परिसर में आए दिन अप्रिय स्थिति निर्मित होती रहती है, जिसका शिकार वकील तक हो चुके हैं। कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ाए जाने की सख्त जरूरत है। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर से संपर्क कर सुरक्षा बढ़ाने मांग की जाएगी। *- दिनेश देवांगन, अध्यक्ष, रायपुर जिला बार एसोसिएशन*

दिल्ली और रायपुर ....

विभाग के प्रमुख डॉ. सुनील चम्बर तथा रायपुर की टीम का नेतृत्व जनरल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. देबज्योति मोहंती ने किया। टीम में एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुब्रत कुमार सिंघा, अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. त्रिदीप दत्ता बरुआ सहित अन्य शामिल थे।

संकलनकर्ता- पाल न्यूज कूंरा, प्रेमलाल पाल संवाददाता, मो.नं. 9669088687, 7974761697 सहयोगी- केशव पाल

भाजपा अभी से चुनावी मोड में, बूथ से लेकर जिलों में अब हर माह बैठक जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन ढाई साल पहले ही अभी से चुनावी मोड में आ गया है। भाजपा ने 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर प्रदेश भाजपा संगठन ने तय किया है कि अब बूथों से लेकर जिलों में हर माह बैठक की जाएगी। इसमें कोई भी लापरवाही नहीं चलेगी।

हर हाल में अब हर माह बैठक होगी। इसके लिए हर स्तर पर बैठकों का समय भी तय कर दिया गया है। इन बैठकों में हर माह होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा के साथ सबसे अहम बूथों को लेकर चर्चा होगी। भाजपा का सबसे बड़ा फोकस प्रदेश के हर बूथ को मजबूत करना है।

भाजपा की चुनावों को लेकर हमेशा से ही अलग रणनीति रहती है। भाजपा किसी भी राज्य में चुनाव की तैयारी काफी पहले से प्रारंभ कर देती है। अप्रैल और मई में पांच राज्यों के चुनाव के बाद भाजपा ने अभी से 2027 और 28 में जिन भी विधानसभाओं में चुनाव होने हैं उसकी तैयारी प्रारंभ कर दी है। अपने राज्य छत्तीसगढ़ मे 2028 में विधानसभा चुनाव होगा। इसके लिए अभी करीब ढाई साल का समय है, लेकिन यहां पर अभी से तैयारी करने का काम प्रारंभ कर दिया गया है।

प्रदेश संगठन की भी हर माह बैठक और तीन माह में कार्यसमिति जरूरी

पहली बार हर माह बैठक की रणनीति : भाजपा का हमेशा से ही बूथों पर बड़ा फोकस रहता है। बूथों को मजबूत करके भाजपा चुनाव जीतने का काम करती है। पिछले चुनाव में भी बूथों की पूरी कुंडली तैयार करके कमजोर बूथों पर फोकस किया गया और भाजपा एक बार फिर से सत्ता में वापस आई। अब एसआईआर के बाद प्रदेश में करीब 25 हजार बूथों के स्थान पर करीब 28 हजार बूथ हो गए हैं तो भाजपा का उन तीन हजार नए बूथों पर भी बड़ा फोकस है। अब अगले माह से भाजपा की बैठकों की दौर प्रारंभ होने वाला है। इसमें बूथों की बैठक के साथ शक्ति केंद्र, मंडल और जिलों की बैठक होगी तो इसमें बूथों को लेकर खास मंथन होगा किस मंडल और किस जिले में कितने बूथ ऐसे हैं जो कमजोर हैं। इसके बाद इन बूथों को मजबूत करने की रणनीति तैयार करके इनको मजबूत किया जाएगा। भाजपा के पास हर बूथ के लिए पन्ना और पेज प्रभारी हैं। इनको बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। बैठकों के लिए क्रम भी तय किया गया है। हर माह के पहले सप्ताह में मंडलों की बैठक होगी। दूसरे सप्ताह में जिलों और तीसरे सप्ताह में शक्ति केंद्रों की बैठक होगी। अंत में बूथों की बैठक चौथे सप्ताह में ही। इसी के साथ बूथों में बैठक के पहले मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भी सुना जाएगा। प्रदेश के पदाधिकारियों की हर माह बैठक होगी और हर तीन माह में कार्यसमिति की बैठक भी अनिवार्य रूप से होगी।

खबर संक्षेप

कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ाने की मांग

रायपुर। जिला एवं सत्र न्यायालय रायपुर परिसर में शनिवार को दो व्यक्तियों के मध्य मारपीट की घटना सामने आने के बाद न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। जिला अधिवक्ता संघ रायपुर के अध्यक्ष दिनेश देवांगन ने साथी अधिवक्ताओं के साथ तत्काल आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, जिससे स्थिति को तत्काल नियंत्रित किया जा सका। अधिवक्ता भगवानू नायक ने इस संबंध में कहा, न्यायालय परिसर एक अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थान है। जहां प्रतिदिन सैकड़ों पक्षकार, अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी, न्यायिक कर्मचारी तथा आम नागरिक न्याय प्राप्ति की आशा लेकर पहुंचते हैं। उन्होंने कहा, परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की है रायपुर सहित प्रदेश के सभी न्यायालय परिसरों में पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए। प्रवेश द्वारों पर सघन जांच व्यवस्था लागू की जाए।

निधन

ओमप्रकाश वर्मा

रायपुर। लक्ष्मी नगर पचपेड़ी नाका निवासी ओमप्रकाश वर्मा (58) का 30 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बोरियाकला मुक्तिधाम में किया गया। वे रेणुका वर्मा के पति, मयंक व पीयूष के पिता और विनोद वर्मा के भाई थे।

मंगला वाकड़े

रायपुर। बूढ़ापारा निवासी मराठा समाज की सदस्य मंगला वाकड़े का 30 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 31 मई को शाम 4 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे राव वाकड़े की पुत्री और सागर एवं जतिन वाकड़े की बुआ थीं।

सतीश पांडेय

रायपुर। चंगोराभाठा निवासी सतीश पांडेय (बरौंडा वाले) का 30 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 31 मई को सुबह 9 बजे उनके निवास स्थान से महादेव घाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी।

शुभम पाणि

रायपुर। परशुराम नगर, प्रोफेसर कालोनी निवासी शुभम पाणि (30) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 31 मई को सुबह 10 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट में किया जाएगा। वे रिटायर्ड नगर निगम कर्मचारी सुजय पाणि के पुत्र थे।

नाम परिवर्तन

बिमल कुमार प्रसाद उम्र 51 वर्ष पिता रामेश्वर प्रसाद निवासी-प्रयाग 803 साम्राज्य रेसीडेन्सी, खमतराई रोड, श्रीनगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. मेरी पुत्री हंसिका प्रसाद की कक्षा 12वीं की अंकसूची में पिता का नाम-बिमल प्रसाद दर्ज है, जो कि त्रुटिवश है। मेरा सही पूरा नाम बिमल कुमार प्रसाद है जो कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। मेरी पुत्री हंसिका प्रसाद की उक्त कक्षा 12 वीं की अंकसूची में दर्ज पिता का त्रुटिपूर्वक नाम बिमल प्रसाद के स्थान पर पिता का सही पूरा नाम बिमल कुमार प्रसाद दर्ज करवाना चाहता हूँ।

बिमल कुमार प्रसाद
पिता रामेश्वर प्रसाद
निवासी- प्रयाग 803 साम्राज्य रेसीडेन्सी, खमतराई रोड, श्रीनगर, रायपुर

लोन बकाया के कारण बंद होने के कगार पर थी दिव्यांजन स्वावलंबन योजना

जीवित रखने 24 करोड़ का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए लाई गई दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना को प्रदेश में जीवित रखने के लिए छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम को राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम (एनएचएफडीसी) को 24 करोड़ रुपए का भुगतान करना पड़ा। हालांकि इसका कारण भी दिव्यांजन ही हैं, जो लोन लेने के बाद किस्त पटाना बंद कर दिए हैं। प्रदेश में 2 हजार से अधिक हितग्राहियों पर कुल 74 करोड़ 39 लाख से अधिक लोन राशि बकाया है। यह राशि एक वर्ष पूर्व और ज्यादा थी, जिसके कारण केंद्र ने इस योजना के तहत राशि जारी करना ही बंद कर दिया था। इस वजह से जरूरतमंदों को योजना का लाभ मिलना भी बंद हो गया था। एनएचएफडीसी को राशि भुगतान करने के बाद दोबारा हितग्राहियों को लोन मिलना शुरू हुआ है।

दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना में एनएचएफडीसी मुख्य संचालक (नोडल) संस्था है, जो भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन काम करती है। यह संस्था ही वित्तीय सहायता (ऋण) प्रदान करता है, ताकि पात्र दिव्यांगजन अपना स्वरोजगार या व्यापार रियायती (कम) ब्याज दर पर व्यापार शुरू कर सकें। यह संस्था सीधे हितग्राहियों को लोन उपलब्ध नहीं देती है, यह एक शीर्ष संस्था के रूप में काम करती है, जो राज्यों की नामित चैनल एजेंसियों (एससीएएस), राष्ट्रीयकृत बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के माध्यम से फंड (राशि) का वितरण करती है। प्रदेश में जिस तरह से दिव्यांगजनों ने लोन लेने के बाद उसकी किस्तें पटाना बंद कर दिए हैं, उसके कारण एनएचएफडीसी ने भी लोन के लिए फंड जारी करना बंद कर दिया था। एनएचएफडीसी ने फंड जारी करने के लिए कम से कम 24 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान करने के लिए छत्तीसगढ़ दिव्यांजन वित्त एवं विकास निगम को निर्देशित किया था। इस राशि का भुगतान होने के बाद एनएचएफडीसी ने भी अब लोन की राशि जारी करना शुरू कर दिया है।

आवेदनों पर निर्णय लेने बनी कमेटी

लोन के लिए आवेदन करने वाले दिव्यांगजनों को लोन देने से पहले अब पूरी तरह से जांच की जा रही है। इसके लिए निगम के अध्यक्ष ने एक कमेटी भी बना रखी है, जिसमें वे स्वयं भी है। इसके अलावा कमेटी में 8 और सदस्य हैं, जिसमें संचालक सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। कमेटी आवेदक ने किस व्यापार के लिए कितना लोन लेने की इच्छा जाहिर की है। व्यापार के लिए अधिकतम कितना लोन स्वीकृत किया जाना चाहिए। इस पर गहन चर्चा कर कमेटी निर्णय ले रही है।

अधिकतम 5 लाख रुपए तक दिया जा रहा लोन

एनएचएफडीसी को 24 करोड़ रुपए का भुगतान किए जाने के बाद अब प्रदेश में जरूरतमंदों को भी लोन दिए जाने लगा है। हालांकि पूर्व में प्रदेश में अधिकतम 12 से 15 लाख रुपए तक लोन वितरित किया है, लेकिन बकाया लोन को देखते हुए अब यह राशि अधिकतम 5 लाख तक कर दी गई है।

कमेटी बनाकर आवेदनों पर निर्णय

बकाया लोन के कारण योजना बंद होने की कगार पर थी। एनएचएफडीसी को 24 करोड़ रुपए का भुगतान किए जाने के बाद केंद्र से योजना के तहत फंड जारी होना शुरू हो पाया। बकाया लोन की रकम को देखते हुए अब कमेटी बनाकर आवेदनों पर निर्णय लिया जा रहा है।

- लोकेश कावड़िया, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम

2247 हितग्राहियों पर ब्याज सहित 74 करोड़ लोन बकाया

प्रदेश में योजना शुरू होने के बाद से लेकर वर्ष 2023 की स्थिति में 2447 हितग्राहियों ने जरूरत के अनुसार कुल 66 करोड़ से अधिक का लोन लिया है। इसके एवज में मात्र 200 हितग्राही पूरा लोन पटा पाए हैं, शेष 2247 हितग्राहियों पर अभी भी मूलधन एवं ब्याज सहित 74 करोड़ 39 लाख से अधिक लोन बकाया है।

हवाई यात्रियों की स्क्रीनिंग... यात्रियों से पूछ रहे प्रभावित देशों की यात्रा तो नहीं की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- ईबोला पर अलर्ट, विमानतल पर बनाया गया जांच काउंटर

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा रही और उनसे पूछा जा रहा कि ईबोला प्रभावित देशों की यात्रा तो नहीं की है। इस संक्रमण की रोकथाम और अतिरिक्त एहतियात के लिए विमानतल पर जांच काउंटर के अलावा जिला अस्पताल में आईसोलेशन वार्ड भी बनाया गया है। इस संक्रमण की देश में अधिकृत पुष्टि नहीं हुई है, मगर संक्रमण की वजह से विमानतलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली गाइडलाइन के बाद राजधानी रायपुर में ईबोला की अतिरिक्त निगरानी के लिए इंतजाम किया गया है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नोडल अधिकारी की नियुक्ति के साथ विमानतल में यात्रियों की स्क्रीनिंग और ट्रेवल हिस्ट्री की जानकारी के लिए काउंटर स्थापित किया गया है। काउंटर में तैनात कर्मचारी रेंडम आधार पर यात्रियों की स्क्रीनिंग कर रहे हैं और उनसे स्वास्थ्य संबंधित जानकारी के साथ विदेश यात्रा खासकर ईबोला प्रभावित देशों के बारे में पूछ रहे हैं। इसके अलावा एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग, स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने अतिरिक्त एहतियात बरतते हुए जिला अस्पताल में आईसोलेशन वार्ड भी बनाया है। इस वार्ड में इमरजेंसी को ध्यान में रखते हुए तमाम तरह की सुविधा जुटाई गई है। अधिकारियों का कहना कि सतर्कता और अतिरिक्त सावधानी से संभावित संक्रमणों को समय रहते रोका जा सकता है। जांच टीम को उन यात्रियों पर निगरानी रखा विशेष निर्देश दिए गए हैं जो अफ्रीकी देशों से होकर आए हैं। यात्रियों में बुखार, कमजोरी, उल्टी, शरीर दर्द या अन्य संदिग्ध लक्षण पाए जाने पर तुरंत अलग रखने और आगे की जांच की व्यवस्था की गई है। इस संक्रमण ने अफ्रीकन देश में अपना ज्यादा असर दिखाया है और होने वाली मौत के कारण डब्लूएचओ ने इसकी इमरजेंसी घोषित की है।

फेसबुक पर दोस्ती, क्रिप्टो में निवेश का झांसा देकर 16 लाख की ठगी

रायपुर। विधानसभा थाना में महालेखाकार कार्यालय में कार्यरत अकाउंटेंट ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ 16 लाख रुपए से ज्यादा की ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया है कि जालसाज ने उससे फेसबुक पर दोस्ती कर क्रिप्टो करेंसी में दोगुना मुनाफा मिलने का झांसा दिया और लगातार दो महीने अपने अकाउंट में रकम ट्रांसफर कराकर ठगी का शिकार बनाया। सड्डू हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी शंकर बोस ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है।

शंकर ने पुलिस को बताया है कि 5 फरवरी 2026 को फेसबुक पर काव्या चौधरी नाम की युवती की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। रिक्वेस्ट स्वीकार करने के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। युवती ने खुद को क्रिप्टो करेंसी निवेश से अच्छी कमाई करने वाला बताते हुए शंकर को भी निवेश करने की सलाह दी। इसके बाद युवती ने शंकर के पास अपना व्हाट्सएप नंबर साझा किया और शंकर को हर्षद करवा नामक व्यक्ति से संपर्क करने के लिए कहा। शुरुआत में पीड़ित से कमीशन के नाम पर छोटी-छोटी रकम जमा कराई गई। इसके बाद जालसाजों ने निवेश बढ़ाने और लाभ सुरक्षित करने का झांसा देकर लाखों रुपए जमा कराना शुरू कर दिया। पैसा आहरण करने के समय जालसाजों ने शंकर से और पैसों की मांग की तब उन्हें अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली।

भुगतान करने बैंक से लोन

शिकायत में शंकर ने बताया है कि जालसाजों के झांसे में आकर उन्होंने कई भुगतान बैंक से ऋण लेकर किए थे। अब उन पर ईएमआई का बोझ है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी बेटी हार्ट संबंधी बीमारी से पीड़ित है, जबकि पत्नी का इलाज न्यूरोलॉजिस्ट की देखरेख में चल रहा है। ऐसे में ठगी के कारण परिवार गंभीर आर्थिक संकट में आ गया है।

बिजनेस साइट

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर संजीवनी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में जागरूकता कार्यक्रम

- स्वस्थ जीवन अपनाने का आह्वान

रायपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर संजीवनी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में शनिवार को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों और कैंसर से उसके संबंध को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैंसर सर्जन डॉ. अर्पण, डॉ. विवेक पटेल, डॉ. विकास अग्रवाल, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. आयुष दुबे, प्लास्टिक सर्जन डॉ. अनिरुद्ध गुप्ता तथा यूरोलॉजिस्ट डॉ. घनश्याम हटवार ने विशेषज्ञ व्याख्यान दिए। विशेषज्ञों ने बताया कि तंबाकू सेवन कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि तंबाकू में मौजूद हानिकारक रसायन शरीर की कोशिकाओं और डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे मुख, गले, फेफड़ों और भोजन नली के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। चिकित्सकों ने तंबाकू छोड़ने के स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसके त्याग से फेफड़ों की कार्यक्षमता और रक्त संचार में सुधार होता है तथा हृदय रोग, स्ट्रोक और कैंसर का जोखिम कम होने लगता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने की शपथ दिलाई गई।

सारडा एनर्जी में सफल मॉक ड्रिल, औद्योगिक सुरक्षा पर दिया गया जोर

- आसपास के विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशन में सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड में आपदा प्रबंधन एवं औद्योगिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से सफल मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संचालनालय के उप संचालक आशुतोष पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल में आसपास के विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कंपनी के हेड-एचएसई अमित कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर सारडा ग्रुप के प्रबंध निदेशक पंकज सारडा, हेड ऑपरेशन मनोज शाह, पेलेट प्लांट हेड कोमल धुरंधर एवं हेड एचआर विवेक चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव कार्यों की प्रभावशीलता और विभिन्न विभागों के समन्वय का प्रदर्शन किया गया। अतिथियों ने पहल की सराहना करते हुए इसे औद्योगिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

तंबाकू और गुड़ाखू का सेवन मुंह के कैंसर का बड़ा कारण : ओरल कैंसर विशेषज्ञ डॉ. रश्मि राय

रायपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर बालको मेडिकल सेंटर की ओरल कैंसर विशेषज्ञ डॉ. रश्मि राय ने तंबाकू और गुड़ाकू के बढ़ते सेवन को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में धूम्ररहित तंबाकू उत्पादों, विशेषकर गुड़ाकू के उपयोग में वृद्धि मुंह के कैंसर के मामलों को बढ़ाने वाला प्रमुख कारण बन रही है। कई लोग गुड़ाकू को सुरक्षित मानते हैं, जबकि इसके नियमित सेवन से मुंह, मसूड़ों, जीभ और गले के कैंसर का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। डॉ. राय ने बताया कि तंबाकू जनित कैंसर का उपचार लंबा, जटिल और अत्यंत खर्चीला हो सकता है। कई मरीजों को सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी जैसी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे परिवारों पर आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि सीमित बीमा कवरेज और उपचार की ऊंची लागत मरीजों की परेशानियों को और बढ़ा देती है। उन्होंने लोगों से मुंह में न भरने वाले घाव, सफेद या लाल धब्बे, गांठ अथवा निगलने में परेशानी जैसे लक्षणों को गंभीरता से लेने और समय पर जांच कराने की अपील की। उनका कहना है कि तंबाकू और गुड़ाकू का पूर्ण त्याग ही मुंह के कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

पेज 09 के शेष ...

छत्तीसगढ़ के बांधों ...

पानी उपलब्ध है, जो क्षमता का 56.69 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी अवधि में यहां केवल 25.95 प्रतिशत जल भंडारण था। इसी प्रकार रविशंकर सागर (गंगरेल) में जल भंडारण बढ़कर 360.45 एमसीएम (48.97 प्रतिशत) पहुंच गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 239.15 एमसीएम (31.18 प्रतिशत) था। कई जलाशयों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर जल उपलब्धता खरीफ सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और औद्योगिक जरूरतों के लिए राहत देने वाली स्थिति दर्शाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य के सबसे बड़े जलाशयों में पर्याप्त जल संग्रह होने से आगामी मानसून तक जल प्रबंधन पर दबाव अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

सिंचाई प्रबंधन को ....

स्थिति माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर जल उपलब्धता से खरीफ सीजन में सिंचाई प्रबंधन को मजबूती मिलेगी तथा गर्मी के अंतिम दौर में पेयजल संकट की आशंका भी कम रहेगी।

पानी की कमी ....

मैदान विकसित करने की मांग करते हुए पूर्व में प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद भी नगर निगम प्रशासन ने इसे नजरअंदाज कर दिया। इसी तरह मालवीय रोड स्थित पुरानी निगम मुख्यालय की खंडहर पड़ी जमीन पर गार्डन बनाने की मांग रखी, क्योंकि न केवल रायपुर, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और बाहर से भी लोगों का कारोबार के सिलसिले में यहां आना-जाना लगा रहता है। यदि यहां लोगों के बैठने लिए कुर्सी लगाकर खाली जमीन पर सुंदर बगीचा बना दिया जाता, तो इससे लोगों को राहत मिलती। शहरी सरकार ने इसके उलट एमआईसी में यहां कमर्शियल बिल्डिंग और रूफटाफ रेस्टारेंट पीपीपी मोड पर तैयार करने की योजना बना ली, जबकि रूफ टॉप रेस्टारेंट का प्लान इससे पूर्व कलेक्टोरेट की मल्टीलेवल पार्किंग जयस्तंभ चौक के पास की मल्टीलेवल पार्किंग में भी शामिल रही, पर यह यह प्रयोग फ्लाप रहा। पंडरी के पुराने बस स्टैंड की जमीन भी एक अरसे से खाली पड़ी है, नगर निगम चाहे तो इस जमीन के कुछ हिस्से में गार्डन विकसित कर सकता है, पर आज तक इसकी जमीन की उपयोगिता ही तय नहीं हो पाई।

बढ़ते कंक्रीटीकरण से ....

सतह विकसित की जानी चाहिए, जिससे गर्मी कम हो और वर्षा जल जमीन में समा सके। समय की आवश्यकता है किसी भी विभाग में निर्णय लेने से पहले जलवायु संकट और जैव विविधता के पतन को ध्यान में रखें।

आक्सीजोन की तर्ज .....

जाती है, वास्तव में वहां इसके उलट स्थिति है यह बड़ी दिक्कत है। सुझाव ये है कि कलेक्टोरेट के पास स्थित आक्सीजोन की तर्ज पर शहर में 3 से 4 जगहों पर इस तरह का पेंच कर सकते हैं। इसका एक अच्छा प्रभाव वातावरण में पड़ेगा।

पुलिस कमिश्नरेट में ....

तड़ीपार की कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के खिलाफ तीनों जोन के सभी थानों के प्रभारियों को उनके क्षेत्र के आदतन बदमाश जो जेल जाने के बाद भी नहीं सुधर रहे हैं, ऐसे लोगों की सूची तैयार कर देने के निर्देश दिए गए हैं। आदतन बदमाशों के खिलाफ पुलिस कमिश्नर ने सख्त कार्रवाई करने की बात कहते हुए उन्हें जिला बदर करने की बात कही है। इसी तरह से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों की संपत्ति अटैच करने तीनों जोन के डीसीपी अपने-अपने क्षेत्र के तस्करों की संपत्ति की जानकारी जुटा रहे हैं। मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त से जुड़े लोगों की संपत्ति जब्त करने सफेमा की कार्रवाई की जाएगी। *16 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा* : पुलिस किसी बदमाश के खिलाफ जिला बदर करने अनुसंसा करती है, कार्रवाई पूरी करने तीन महीने का समय लगता है। पुलिस कमिश्नर के पास फरवरी में ही 16 बदमाशों के खिलाफ जिला बदर करने अनुसंसा की गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिला बदर की पहली कार्रवाई पुलिस कमिश्नर ने आदेश जारी किया है। आने वाले दिनों में बदमाशों के खिलाफ पुलिस कमिश्नर लगातार जिला बदर करने आदेश जारी करेंगे। जिन बदमाशों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की अनुसंसा की गई है, उनमें से चार जेल में बंद हैं। बदमाशों के जेल से निकलने के बाद उनके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की जाएगी।

इन पांच जिलों ....

अवधि, 30 अगस्त 2026 तक, सक्षम न्यायालय की पूर्व अनुमति के बिना उक्त जिलों की सीमाओं में प्रवेश नहीं करने निर्देश दिए गए हैं। अविनाश के खिलाफ गुढ़ियारी थाना में मारपीट, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट एवं जुआ एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

आपसी रंजिश पर ...

कराई है। सरस्वती ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को पलौद चौक पानी टंकी के पास बातचीत करने के लिए तोषण को बुलाया। इस दौरान पहले से ही हत्या करने की फिराक में बैठे नाबालिग तथा उसके साथी ने तोषण पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। तोषणा को उपचार के लिए आरंग अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोर्ट परिसर में युवक ....

बीच कहासुनी हुई। इस दौरान धृवेश ने अपने हाथ में पहने कड़ा को ऊपर चढ़ाया और राहुल के सिर पर वार कर दिया। सिर पर कड़ा लगने से राहुल के सिर से खून का फौवारा फूट पड़ा। *10-12 हजार लोग कोर्ट परिसर में पहुंचते हैं* : रायपुर जिला न्यायालय में 70 कोर्ट संचालित हैं, एक कोर्ट में औसतन 10-15 प्रकरणों की सुनवाई होती है। ऐसे में सुनवाई के दौरान अभियोजन तथा पीड़ित पक्ष से जुड़े डेढ़ से दो हजार लोग पेशी में पहुंचते हैं। इसके साथ ही दोनों पक्ष से जुड़े अन्य लोगों की संख्या पेशी में पहुंचने वालों से ज्यादा रहती है। कोर्ट परिसर में पूरे समय नोटरी कार्यालय से लेकर अन्य तरह के कार्य करने वाले लोगों को मिलाकर संख्या कई हजार हो जाती है। कोर्ट परिसर में पुलिस चौकी जरूर है, लेकिन वहां गिनती का बल रहता है। चौकी में उपस्थित बल केंद्रीय जेल से पेशी में लाए गए बंदियों की सुरक्षा में लगे रहते हैं। *आरोपी, पीड़ित मौसेरे भाई* : पुलिस द्वारा जारी बयान के अनुसार राहुल सोनी, रविन्द्र देवांगन और धृवेश की न्यायालय में वर्ष 2018 के मारपीट के प्रकरण में पेशी निर्धारित थी। पेशी में पहुंचे धृवेश तथा राहुल मौसेरे भाई हैं। पेशी के दौरान आरोपी ने अपने मौसेरे भाई राहुल को बोला कि कोर्ट में अच्छे से गवाही देना और गाली गलौज कर एक थप्पड़ राहुल को मारा। थप्पड़ लगने की वजह से राहुल सोनी का सिर दीवार के कोने में टकराने से चोट आई है। धृवेश के खिलाफ अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।
सुरक्षा बढ़ाने की मांग की जाएगी : कोर्ट में गंभीर अपराध से जुड़े बदमाशों से लेकर सभी तरह के लोगों की आवाजाही रहती है। सुरक्षा के नाम पर पुलिस चौकी जरूर बनाई गई है, लेकिन वहां गिनती के पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से कोर्ट परिसर में आए दिन अप्रिय स्थिति निर्मित होती रहती है, जिसका शिकार वकील तक हो चुके हैं। कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ाए जाने की सख्त जरूरत है। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर से संपर्क कर सुरक्षा बढ़ाने मांग की जाएगी। *- दिनेश देवांगन, अध्यक्ष, रायपुर जिला बार एसोसिएशन*

दिल्ली और रायपुर ....

विभाग के प्रमुख डॉ. सुनील चम्बर तथा रायपुर की टीम का नेतृत्व जनरल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. देबज्योति मोहंती ने किया। टीम में एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुब्रत कुमार सिंघा, अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. त्रिदीप दत्ता बरुआ सहित अन्य शामिल थे।

खबर संक्षेप

सांकरा में मुक्तिधाम प्रतीक्षालय और निर्मला घाट का भूमि पूजन

सिलयारी। औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सांकरा में वार्ड नंबर 20 में तालाब सौंदर्यीकरण के तहत (गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड) हीरा ग्रुप द्वारा सीएसआर मंद के तहत भव्य निर्मला घाट निर्माण कार्य व वार्ड 15 शमशान घाट पर प्रतिक्षालय निर्माण कार्य प्रारंभ करने हेतु भुमि पुजन किया गया। आसपास औद्योगिक क्षेत्र में सीएसआर के तहत कार्य करने में हीरा ग्रुप की अग्रणी भुमिका है औद्योगिक क्षेत्रों में नेशनल हाईवे किनारे बसे हुए सांकरा ग्राम सांकरा की सरोवर की स्थिति दयनीय है जहां स्नान करने ग्रामीणों को असुविधा होती थी लेकिन सरपंच रघुनाथ साहु व वार्ड पंच के आग्रह पर हीरा ग्रुप द्वारा अपनी अस्तित्व खो चुकी बड़ा तालाब अब हीरा ग्रुप द्वारा सीएसआर के तहत विकास कार्य के चलते फिर सौंदर्यीकरण होगा। कार्यक्रम में फेक्ट्री प्रबंधन की ओर से सीएसआर विभाग के अधिकारी व ग्राम सांकरा जनपद प्रतिनिधी अंजित सायतोड़े सरपंच रघुनाथ साहु उप सरपंच योगेश साहु गांव के पंचगण मौजूद थे।

तुमगांव से युवक लापता तीन बाद थाने रिपोर्ट दर्ज

आरंग। महासमुंद जिले के तुमगांव थाना क्षेत्र से एक युवक के अचानक लापता हो जाने का

मामला सामने आया है। युवक 17 मई की दोपहर अपने गैरेज से कहीं जाने की बात कहकर निकला था, जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुम इंसान कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गौरभाठ थाना आरंग जिला रायपुर निवासी रूपेश कुमार साहू ने थाना तुमगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह उनता बड़ा भाई टिकेश्वर कुमार साहू के तुमगांव 17 मई की सुबह करीब 8:30 बजे से लापता है। लापता युवक टिकेश्वर कुमार साहू की उम्र 27 वर्ष बताई गई है। उसका कद लगभग 5 फीट 6 इंच, रंग गेहूंआ, चेहरा गोल तथा सिर मुंडा हुआ है। युवक ने नीले रंग की टाटा कंपनी की टी-शर्ट, काले रंग का लोवर और काले रंग के जूते पहन रखे थे। वह हिंदी और छत्तीसगढ़ी भाषा बोलता है तथा अपने साथ मोबाइल फोन भी रखा

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे, बैज ने दी बधाई

रायपुर। कांग्रेस ने हिन्दी पत्रकारिता के शानदार 200 वर्ष पूरे होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 30 मई 1826 को पं. जुगल किशोर शुक्ल ने देश के पहले हिन्दी समाचार पत्र ''उदन्त मार्तन्ड'' का प्रकाशन किया था। यह भारत की पत्रकारिता के लिए स्तंभ साबित हुआ। हिन्दी पत्रकारिता अपनी निष्पक्षता के लिए जानी जाती है। पक्ष एवं विपक्ष का बराबर संतुलन एवं खबरों की निष्पक्षता ही पत्रकारिता की विश्वसनीयता को बढ़ाता है।

जनगणना का पहला चरण पूरा, अंतिम दिन प्रगणकों ने बंद मकानों का लिया अपडेट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चल रही जनगणना के पहले चरण में पहली बार घर-घर की सुविधाओं और संसाधनों का विस्तृत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया गया है। 1 मई से शुरू हुई जनगणना के पहले चरण का 95 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा हो गया है और 30 मई को यह चरण समाप्त हो जाएगा। प्रदेश में जनगणना के लिए 48,742 ब्लॉक बनाए गए थे। इसी आधार पर प्रदेश में 85 लाख से अधिक मकानों का आंकड़ा सामने आया है। जनगणना का दूसरा चरण अगले साल 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा। पहले चरण में कई मकानों में ताला बंद होने के कारण उनकी गणना नहीं हो पाई। उन मकानों को बंद दर्शाया गया है। अंतिम दिन प्रगणक ने दौरा कर उन मकानों की स्थिति अपडेट की। उल्लेखनीय है कि जनगणना की पूरी प्रक्रिया पहली बार डिजिटल माध्यम से की जा रही है। मोबाइल एप के जरिए विकल्प चुनकर डेटा अपलोड किया गया, जिससे प्रगणकों को सहूलियत मिली।

डीडी नेशनल चैनल में प्रस्तुति के लिए लोककला मंच दूज के चंदा का चयन

अपनी शानदार प्रस्तुति से छत्तीसगढ़ में परंपरा को किया जीवंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला, संस्कृति और लोक गीतों को राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान मिलने जा रही है। क्षेत्र के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक लोक कला मंच 'दूज के चंदा' (ग्राम-बैहार) का चयन प्रसार भारती के अंतर्गत आकाशवाणी दूरदर्शन के नेशनल चैनल पर कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए हुआ है। इस राष्ट्रीय मंच पर 'दूज के चंदा' की टीम छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति पर आधारित पारंपरिक गीतों और दर्शकों को गुदगुदाने वाले हास्य प्रहसन (कॉमेडी एक्ट) की प्रस्तुति देगी। यह चयन छत्तीसगढ़ की माटी की कला और कलाकारों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। 'दूज के चंदा' कला मंच पिछले कई वर्षों से ग्रामीण और शहरी अंचलों में अपनी अनूठी प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी संस्कृति, लोक विधाओं और सामाजिक संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य कर रहा है। मंच के कलाकारों की कड़ी मेहनत और कला के प्रति समर्पण के कारण ही आज इन्हें राष्ट्रीय स्तर के सबसे प्रतिष्ठित प्रसारण माध्यम पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। इस गौरवपूर्ण चयन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ कलाकारों, प्रबुद्ध नागरिकों और कला प्रेमियों ने 'दूज के चंदा' मंच के सभी कलाकारों और सहयोगियों को बधाई दी है। साथ ही उम्मीद जताई है कि यह प्रस्तुति राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम और ऊँचा करेगी। दूरदर्शन पर इस कार्यक्रम के प्रसारण की तिथि और समय की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी।

हास्य-व्यंग्य की खुशबू बिखेरेंग

मंच के संचालक ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा, यह केवल हमारे मंच की जीत नहीं है, बल्कि पूरी छत्तीसगढ़ी संस्कृति, भाषा और यहाँ के दर्शकों का सम्मान है। नेशनल चैनल के माध्यम से हम देश के कोने-कोने तक छत्तीसगढ़ की लोक विधाओं, करमा, ददरिया, सुआ और यहाँ के पारंपरिक हास्य-व्यंग्य की खुशबू बिखेरेंगे।

कवर्धा के लोहारा, राजनांदगांव के घुमका और बालोद के पलारी में विधायक का धुआंधार प्रचार

नपं की चुनावी सभाओं में विधायक अनुज शर्मा को देखने एवं सुनने उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूंरा

नगर पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए पार्टी के स्टार प्रचारक, मुख्य वक्ता और लोकप्रिय अभिनेता-विधायक अनुज शर्मा ने मोर्चा संभाल लिया है। अनुज शर्मा ने तीन अलग-अलग जिलों का धुआंधार चुनावी दौरा किया। इस दौरान कवर्धा के लोहारा, राजनांदगांव के घुमका और बालोद के पलारी में पार्टी के अध्यक्ष व पार्षद प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं में उन्हें देखने और सुनने के लिए आम जनता का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा।

■ विष्णु देव साय सरकार जनहित में कर रही बेहतरीन कार्य

भीड़ नहीं, भाजपा पर है अटूट विश्वास : क्षेत्र के देवतुल्य मतदाताओं और प्रबुद्ध नागरिकों से भेंट करते हुए अनुज शर्मा ने कहा कि भाजपा का एकमात्र लक्ष्य विकास और सुशासन है। सभाओं में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर गदगद हुए अनुज शर्मा ने छत्तीसगढ़ी अंदाज में जनता का आभार जताते हुए कहा—आज कवर्धा के पावन धरा लोहारा में, राजनांदगांव के ऐतिहासिक भूमि घुमका में, और बालोद के हमारे स्वाभिमानी पलारी नगर पंचायत में उमड़े यें जनसैलाब ला देख के मोर छाती गदगद हो गे हे। ये भीड़ नई ए, ये भाजपा ऊपर तुहर अटूट बिस्वास आय। उन्होंने आगे कहा कि यह उमड़ता हुआ जनसैलाब इस बात का गवाह है कि छत्तीसगढ़ की जनता ने अब ठान लिया है कि सुशासन और चहुंमुखी विकास के अलावा उन्हें कुछ भी मंजूर नहीं है।

गली-मोहल्ले की तरक्की और बच्चों के भविष्य का चुनाव : जनसभाओं को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने चुनाव के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा, नगर पंचायत का चुनाव सिर्फ किसी नेता को चुनने का चुनाव नहीं होता। यह चुनाव आपके गली-मोहल्ले की तरक्की का है, आपके बच्चों के अच्छे भविष्य का है। यह स्वच्छ पेयजल, पक्की सड़कें, सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था और पीएम आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं को सीधे आपके घर तक बिना किसी भ्रष्टाचार के पहुँचाने का चुनाव है।

ट्रिपल इंजन सरकार से मिलेगी विकास को रफ्तार : शर्मा ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार और राज्य में हमारी विष्णु देव साय जी की सरकार दिन-रात जनता की भलाई के लिए काम कर रही है। उन्होंने जनता से आह्वान करते हुए कहा, जब ऊपर भी भाजपा हो, राज्य में भी भाजपा हो, तो आपके नगर पंचायत में भी 'कमल छाप' का होना बहुत जरूरी है। जब 'ट्रिपल इंजन' की ताकत मिलेगी, तब विकास की रफ्तार को कोई रोक नहीं पाएगा।

विपक्ष पर तीखा प्रहार और मतदान की अपील

अनुज शर्मा ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा, विपक्षियों के बहकावे में मत आइएगा, जिन्होंने सालों तक विकास को रोका। अब समय आ गया है उन्हें करारा जवाब देने का।/" उन्होंने मतदाताओं से वादा करते हुए कहा कि सुशासन का जो संकल्प पार्टी ने लिया है, उसे जमीनी स्तर पर पूरा करेंगे। मतदान के दिन के लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ी में नारा देते हुए कहा—आने वाले मतदान के दिन, सब काम छोड़ के, सबसे पहली जाके 'कमल छाप' के बटन दबाना हे और भाजपा ला भारी मतों से विजयी बनाना हे।

ज्ञानभारतम मिशन जारी, 111 वर्ष पुरानी दुर्गा सप्तशती मिली

आरंग । ऐतिहासिक और पौराणिक नगरी आरंग में ज्ञानभारतम मिशन के अंतर्गत प्राचीन और दुर्लभ पांडुलिपियों के मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में आरंग के ब्राह्मण पारा स्थित आचार्य पं. अजीत कमलनारायण शर्मा (ज्योतिषाचार्य) के निवास से सदियों पुरानी और अत्यंत दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियां व पोथियां प्राप्त हुई हैं। इनमें 111 वर्ष पुरानी हस्तलिखित बीजात्मक दुर्गासप्तशती और 98 वर्ष पुराना कपिला तर्पण मुख्य रूप से शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण खोज की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एक उच्च स्तरीय सर्वेक्षण टीम ने आचार्य के निवास पहुंचकर इन अमूल्य धरोहरों का बारीकी से अवलोकन किया। सर्वेक्षण में पता चला है कि ये दुर्लभ पांडुलिपियां आचार्य अजीत कमलनारायण शर्मा (ज्योतिषाचार्य) के परिवार में पीढ़ियों से सहेजकर रखी गई थीं। यह ज्ञान का खजाना पिता श्री कमलनारायण शर्मा, दादा नंद कुमार पौराणिक और परदादा भागवताचार्य बाल मुकुंद पौराणिक (राधेश्याम रामायण के प्रखर वक्ता) के समय का है, जिसे

परिवार ने आज भी जीवंत रखा है। साथ ही 75 वर्ष पुरानी हस्तलिखित सर्वदेव पूजन विधि, प्राचीन विवाह संस्कार एवं दुर्लभ 160 वर्ष पुरानी पोथियां — श्रीमद्भागवत रहस्य, षोडश संस्कार, ज्योतिष जातक भरण, चंडी रहस्य आदि भी प्राप्त हुए। इस ऐतिहासिक खोज का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल चंद्रवंशी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा और विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सुरेंद्र सिंह चंद्रसेन ने इन प्राचीन धरोहरों के संरक्षण पर आचार्य अजीत शर्मा को बधाई दी और इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ा गौरव बताया। इस महत्वपूर्ण खोज और सर्वेक्षण कार्य में नवाचारी शिक्षक अरविंद वैष्णव व महेंद्र पटेल, अजय ध्रुव के साथ-साथ पार्षद प्रतिनिधि राकेश शर्मा, व्याख्याता माणिकलाल मिश्रा और संकुल समन्वयक हरीश दीवान, विकास सिंह ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई।

रीवा में जल संकट, हैंडपंपों की क्षमता बढ़ाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

भीषण गर्मी के बीच ग्राम रीवा में पेयजल की किल्लत गहरा गई है। पानी की बूंद-बूंद को तरसते ग्रामीणों की सुध लेने शुक्रवार को प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर गांव पहुंचा।लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के अधिकारियों और मंदिर हसौद के नायब तहसीलदार ने सीधे मोर्चा संभालते हुए ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से चर्चा की और संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक कार्ययोजना पेश की, जिस पर ग्रामीणों ने सहमति जताई है।

गांव में दम तोड़ते जलस्तर को देखते हुए पीएचई विभाग लगातार जद्दोजहद कर रहा है। कम पानी उगलने वाले हैंडपंपों की हाइड्रो फ्रैक्चरिंग मशीनों से जांच की जा रही है, ताकि उनकी जल क्षमता को बढ़ाया जा सके। संकट की गंभीरता को देखते हुए पीएचई ने भूगर्भ विशेषज्ञों (जियोलॉजिस्ट) की टीम को मैदान में उतारा है। यह टीम गांव के भीतर भूगर्भ जल का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर रही है, ताकि पानी की उपलब्धता वाले नए पॉइंट चिह्नित किए जा सकें। इस दौरान सरपंच, उपसरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पत्नी, बच्चे को भगाकर ले जाने के गम में ट्रांसपोर्टर ने पुल से कूदकर की खुदकुशी

रायपुर । आमानाका थाना क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्टर ने शनिवार शाम साढ़े पांच बजे पुल से कूदकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी करने के पूर्व मृतक ने एक ऑडियो जारी किया है, जिसमें उसने किसी निशान सिंह महली तथा उसकी बहन के खिलाफ आरोप लगाया है। आरोपों के मुताबिक निशान सिंह तथा उसकी बहन मृतक की पत्नी तथा दो बच्चों को एक माह पूर्व झांसा देकर अपने साथ भगाकर उत्तराखंड ले गए हैं। इससे दुखी होकर ट्रांसपोर्टर ने खुदकुशी करने की बात कही है। पुलिस के अनुसार हीरापुर निवासी सोनू नामक युवक ने पुल से छलांग लगाकर खुदकुशी की है। सोनू द्वारा जारी ऑडियो के अनुसार निशान सिंह उसकी पत्नी को शादी करने का झांसा देकर बच्चों को साथ लेकर भाग गया। इसके लिए सोनू ने अपने समाज से जुड़े लोगों से पत्नी तथा बच्चों को वापस लाने गुहार लगाई। साथ ही थाने में अपनी पत्नी, बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। पत्नी तथा बच्चों के वापस नहीं आने से सोनू बुरी तरह से टूट गया और उसने पुल से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली।

श्रीरामचरितमानस के पाठ से आती है जीवन में सुख समृद्धि : सोमनाथ

रायपुर। मठपुरैना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर स्थित श्री सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में परंपरा के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा के उपलक्ष्य में श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ का शुभारंभ 30 मई को किया गया। पुजारी घनश्याम दास वैष्णव ने पूजा-पाठ करके मानस पाठ की स्थापना और शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाला साहू और सोमनाथ निषाद ने कहा कि मानस पाठ से जीवन और परिवार में सुख समृद्धि आती है और जीवन में सात्विकता का विकास होता है। मानस प्रेमी सेवानिवृत्त गुरुजी किशोर साहू ने मानस के विविध प्रसंगों पर चर्चा की और मानस पाठ के महत्व को प्रतिपादित किया। इस अवसर पर दीनदयाल साहू, राजकुमार धीवर, बाबूलाल साहू, नीलकंठ सारथी, रामू धीवर, मुक्ति साहू, भोजराज साहू आदि मानस पाठ में सहयोग कर रहे है।

हांडी तालाब को जलकुंभी मुक्त कराने लाया सफाई अभियान

रायपुर । राजधानी के तात्यापारा वार्ड क्षेत्र स्थित हांडी तालाब में जलकुंभी की शिकायत पर शनिवार को नगर निगम जोन 7 अमले ने संज्ञान लेते हुए तालाब की सफाई कराने विशेष सफाई अभियान चलाया। जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू ने हांडी तालाब में 15 सफाई मित्रों की विशेष गैंग जलकुंभी सफाई के लिए तालाब में उतारी। तालाब के भीतर से जलकुंभी निकालकर हांडी तालाब को जलकुंभी से मुक्त कराया गया।

नगर निगम जोन 7 में हांडी तालाब में जलकुंभी से हो रही परेशानी को लेकर स्थानीय रहवासियों ने जोन कार्यालय में शिकायत करते हुए तालाब की सफाई कराने आग्रह किया। शिकायत मिलने के बाद जोन के स्वास्थ्य विभाग ने सफाई मित्रों की सहायता से हांडी तालाब में फैले जलकुंभी की सफाई करवाई। लोगों से तालाब में गंदगी और कचरा न डालने की अपील कर तालाब को स्वच्छ और सुंदर बनवाने का आग्रह किया गया। रायपुर -रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 7 के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन 7 जोन अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा और जोन 7 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आत्मानन्द साहू के मार्गनिर्देशन में जनशिकायत पर उनका त्वरित निदान करने नगर निगम जोन 7 क्षेत्र अंतर्गत तात्यापारा वार्ड के क्षेत्र में हाण्डी तालाब में लगभग 15 सफाई मित्रों के विशेष गैंग की सहायता से सफाई अभियान चलाकर तालाब के भीतर से जलकुम्भी को बाहर निकालकर और उसको तत्काल उठवाकर हाण्डी तालाब को जलकुम्भी से मुक्त करवाते हुए समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से स्वच्छता कायम की गयी और प्राप्त जनशिकायत का जोन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से त्वरित निदान किया गया ।

प्रदेश में 15 हजार से ज्यादा कारोबारी, पंजीयन सिर्फ ढाई हजार का

हॉलमार्क का पंजीयन कराए बिना बेच रहे जेवर, अब होगा एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के सराफा कारोबारी हॉलमार्क पर गंभीर ही नहीं हैं। तीन साल बाद भी 15 हजार कारोबारियों में से मुश्किल से ढाई हजार ने अपना पंजीयन कराया है। ज्यादातर बड़े कारोबारियों ने तो पंजीयन करा लिया है, लेकिन छोटे कारोबारी जिनका कारोबार 50 लाख से कम है और जो जीएसटी के दायरे में भी नहीं आते, उन्होंने पंजीयन कराने में रुचि नहीं दिखाई है, जबकि एक अप्रैल 2023 से हर तरह की सोने की ज्वेलरी पर हॉलमार्क जरूरी है। राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश में बिना पंजीयन के जेवर बेचने वाले सराफा कारोबारियों पर अब एक्शन की तैयारी है। एक दिन पहले ही राजधानी के दो कारोबारियों के यहां छापा मारा गया है। आने वाले समय में अन्य कारोबारियों के यहां भी छापे पड़ेंगे। सोने के जेवरों पर वैसे तो 2021 से ही हॉलमार्किंग अनिवार्य है, लेकिन यह पहले ऐच्छिक था, लेकिन इसको एक अप्रैल 2023 से केंद्र सरकार ने जरूरी कर दिया। इसके बाद से कारोबारियों ने पंजीयन कराना प्रारंभ किया। पंजीयन कराने का कोई शुल्क न होने के बाद भी जेवर बेचने वाले कारोबारियों ने पहले इस उम्मीद में पंजीयन नहीं कराया कि सरकार शायद जल्द ही जेवर बेचने वाले कारोबारियों के लिए पंजीयन की अनिवार्यता समाप्त कर देगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्री को पत्र भी लिखा गया था। केंद्र सरकार ने कारोबारियों की मांग नहीं मानी, इसके बाद भी कारोबारियों ने अब तक पंजीयन नहीं कराया है।

85 फीसदी का पंजीयन नहीं

जेवर बेचने वालों के लिए भी हॉलमार्क में पंजीयन कराना जरूरी होने के बाद भी अपने राज्य में 85 फीसदी ने अपना पंजीयन कराया ही नहीं है। प्रदेश में 15 हजार सराफा कारोबारी हैं जो सोने के जेवर बेचने का काम करते हैं। राजधानी रायपुर में ही दो हजार से ज्यादा कारोबारी हैं। रायपुर सराफा एसोसिएशन के 600 से ज्यादा सदस्य हैं। रायपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष धरम भंसाली के मुताबिक हमारे सदस्यों में से ज्यादातर ने पंजीयन करा लिया है, लेकिन इसके अलावा भी छोटे मोहल्लों और कालोनियों में कई ज्वेलर्स ऐसे हैं जो एसोसिएशन के सदस्य नहीं हैं और अपना कारोबार करते हैं, वे पंजीयन कराने में गंभीर नहीं हैं। हमने एक दिन पहले की छापामार कार्रवाई के बाद सभी सदस्यों से साथ ही छोटे व्यापारियों से भी आग्रह किया है कि वे अपना पंजीयन करा लें और परेशानी से बचें।

प्रदेश में दस सेंटर

हॉलमार्क के प्रदेश में चार जिलों में दस सेंटर हैं। राजधानी रायपुर में छह, दुर्ग में दो और राजनांदगांव और बिलासपुर में एक-एक सेंटर है। इन सेंटर के सौ किलोमीटर के दायरे में आने वाले सराफा कारोबारी अपना पंजीयन करा सकते हैं। इतनी सुविधा होने के बाद भी कारोबारी पंजीयन नहीं करा रहे हैं।

सभी पंजीयन कराएं

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के ही हमारे 15 हजार सदस्य हैं। हमारा सभी से आग्रह कि सभी को अपना पंजीयन कराना चाहिए।

- कमल सोनी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन

गर्मी की छुट्टीयों का सही इस्तेमाल करें और
कमाएं
₹ 12,000 प्रति माह
योग्यता- 12वीं से स्नातक
मात्र 6 घंटे का आसान काम
और फिर आराम ही आराम
ऐसे ऊर्जावान युवक युवतियों की आवश्यकता है जो अपने टेलेंट से मीडिया में महत्वपूर्ण स्थान बना सके।
स्वयं का वाहन होना आवश्यक, संपर्क अभियान से लक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम युवा संपूर्ण बायोडाटा एवं बैंक एकाउंट, आधार कार्ड के साथ तुरंत संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय :
पुजारी पार्क के सामने, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)
Resume करें - 9977374898

खबर संक्षेप

युवा कांग्रेस चुनाव, जिला-ब्लॉक कमेटियों के लिए नामांकन शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव के लिए 29 मई से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 13 जून तक चलेगी। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद ब्लॉक से लेकर प्रदेश स्तर तक पदों के दावेदार सक्रिय हो गए हैं। घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार ब्लॉक, जिला कमेटियों और विधानसभा अध्यक्ष के लिए नामांकन 13 जून तक भरे जाएंगे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी के पदों के लिए नामांकन 11 से 13 जून के बीच दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 15 से 18 जून तक होगी।बताया गया है कि प्रदेश महासचिव के लिए चुनाव लड़ने वाले दावेदारों का साक्षात्कार 4 जून को राजीव भवन में होगा।

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे, बैज ने दी बधाई

रायपुर। कांग्रेस ने हिन्दी पत्रकारिता के शानदार 200 वर्ष पूरे होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 30 मई 1826 को पं. जुगल किशोर शुक्ल ने देश के पहले हिन्दी समाचार पत्र ''उदन्त मार्तन्ड'' का प्रकाशन किया था। यह भारत की पत्रकारिता के लिए स्तंभ साबित हुआ। हिन्दी पत्रकारिता अपनी निष्पक्षता के लिए जानी जाती है। पक्ष एवं विपक्ष का बराबर संतुलन एवं खबरों की निष्पक्षता ही पत्रकारिता की विश्वसनीयता को बढ़ाता है।

जनगणना का पहला चरण पूरा, अंतिम दिन प्रगणकों ने बंद मकानों का लिया अपडेट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चल रही जनगणना के पहले चरण में पहली बार घर-घर की सुविधाओं और संसाधनों का विस्तृत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया गया है। 1 मई से शुरू हुई जनगणना के पहले चरण का 95 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा हो गया है और 30 मई को यह चरण समाप्त हो जाएगा। प्रदेश में जनगणना के लिए 48,742 ब्लॉक बनाए गए थे। इसी आधार पर प्रदेश में 85 लाख से अधिक मकानों का आंकड़ा सामने आया है। जनगणना का दूसरा चरण अगले साल 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा। पहले चरण में कई मकानों में ताला बंद होने के कारण उनकी गणना नहीं हो पाई। उन मकानों को बंद दर्शाया गया है। अंतिम दिन प्रगणक ने दौरा कर उन मकानों की स्थिति अपडेट की। उल्लेखनीय है कि जनगणना की पूरी प्रक्रिया पहली बार डिजिटल माध्यम से की जा रही है।

पुलिस की बर्बरता से सरकार का अमानवीय चेहरा उजागर : कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा, राजनांदगांव में एक नाबालिग बच्ची के साथ पुलिस की बर्बरता एवं छत्तीसगढ़ सरकार की भ्रष्ट स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते जो अमानवीय कृत्य हुआ है वह शर्मनाक है। बच्ची ने पेट दर्द की शिकायत की, लेकिन अमानक

टेस्ट किट के मेडिकल टेस्ट में उसे गर्भवती बताया गया। उनका पूरा परिवार इससे मानसिक रूप से प्रताड़ित तो था ही, वही सोमनी पुलिस ने पीड़ित बालिका को रात भर थाने में बिठाकर उससे अमानवीय प्रश्न पूछ कर मानसिक शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। बताया जाता है क्योंकि सोमनी स्वास्थ्य केंद्र द्वारा जिस किट से बच्ची के टेस्ट किए उसमें बच्ची को गर्भवती बताया गया। उसके पश्चात अन्य मेडिकल टेस्ट पर उसे गर्भवती नहीं बताया गया। उन्होंने कहा, सोमनी स्वास्थ्य केंद्र के टेस्ट किट जो स्थानीय स्तर पर क्रय की गई थी, वह अमानक और नकली भी उसमें रिपोर्ट गलत आई थी। उन्होंने कहा, मामले में सोमनी थानेदार ने अबोध बालिका के साथ बर्बरता पूर्ण कृत किया। उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया जाना चाहिए। भाजपा सरकार आने के बाद पुलिस रक्षक से भक्षक बन गई है, यह इस घटना से प्रमाणित होता है।

50 हजार से अधिक आदिवासी परिवारों को कानूनी हक से किया जा रहा वंचित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने राज्य में अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी परिवारों के अधिकारों के हनन पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को एक अर्धशासकीय पत्र भेजकर छत्तीसगढ़ में वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों को सख्ती से लागू कराने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रपति को सौंपे गए पत्र में डॉ. महंत ने उल्लेख किया है कि अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी, वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम, 2006 पूरे भारत में दिसंबर 2007 से प्रभावी है। इस कानून की धारा 3(1)(घ) के स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार, वन भूमि पर स्थित जलक्षेत्रों में मछली पालन और जलाशयों के अन्य उत्पादों के उपयोग का हकदारी या सामुदायिक अधिकार पत्र स्थानीय पात्र व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए। अत्यंत खेद का विषय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में बीते 18 वर्षों में भी इस महत्वपूर्ण प्रावधान का क्रियान्वयन नहीं किया जा सका है।

राष्ट्रपति को नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने लिखा पत्र

ठेका प्रथा से मजदूर बनने को मजबूर हुए मूल निवासी

डॉ. महंत ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य की वन भूमि पर लगभग 1,58,000 हेक्टेयर का विशाल जलक्षेत्र स्थित है। इन जलक्षेत्रों में मछली पालन और मत्स्याखेट के जरिए 50,000 से अधिक अनुसूचित जनजाति और अन्य वन निवासी परिवार अपनी जीविका चलाते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ शासन की वर्तमान मछली नीति वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के पूरी तरह विपरीत है। कानून का उल्लंघन करते हुए राज्य के इन जलक्षेत्रों को पट्टे पर और 1000 हेक्टेयर से बड़े जलाशयों को निविदाएं (टेंडर) आमंत्रित करके ठेकेदारों को सौंप दिया जाता है। इसका दुष्परिणाम यह हो रहा है कि जिन बड़े जलाशयों पर स्थानीय आदिवासियों और वन निवासियों का सामुदायिक अधिकार होना चाहिए था, वहां वे बाहरी ठेकेदारों के अधीन महज मजदूर के रूप में काम करने को मजबूर हैं।

राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग

उन्होंने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि, छत्तीसगढ़ के आदिवासियों और पारंपरिक वन निवासियों के आर्थिक एवं कानूनी हितों की रक्षा के लिए वन अधिकार अधिनियम को तत्काल प्रभाव से क्रियान्वित कराया जाए। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रपति से छत्तीसगढ़ के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की है, ताकि हजारों परिवारों को उनका वास्तविक हक मिल सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि देश के सर्वोच्च कार्यालय से निर्देश प्राप्त होने के बाद अब छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्य सचिव इस विषय की गंभीरता को समझेंगे।

सेहतमंदी के लिए लगाए जिम के उपकरण हो रहे खराब

हीरापुर में 4 जगहों पर लगाए ओपन जिम खराब रोहणीपुरम गार्डन में भी जिम उपकरण की अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

रायपुर नगर निगम का पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग शहर के अलग-अलग जगहों पर लगाए गए ओपन जिम उपकरणों की देखरेख में ध्यान नहीं दे रहा है। इससे हीरापुर में हाउसिंग बोर्ड कालोनी पूजा गार्डन में लगाए गए जिम इक्वीपमेंट खराब हो गए हैं।

एमडी कालोनी शिव मंदिर के पास सेहतमंदी के लिए ओपन जिम की व्यवस्था की गई, पर देखरेख के अभाव में जिम के नट बोल्ट में जंग लग गए, कुछ उपकरण के हैंडल महीनों से टूट कर नीचे गिर गए। इसे अब तक सुधारा नहीं गया। वार्ड के एचआईजी कालोनी में स्थित तारू गार्डन में कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड स्थित रोहणीपुरम तालाब के पास स्थित नगर निगम के उद्यान में लोगों की सुविधा के लिए एक्सरसाइज करने अलग-अलग उपकरण लगवाए गए, एक अरसे से इन उपकरणों में ग्रीसिंग नहीं होने और मेंटनेंस का कार्य नहीं होने से उपकरणों में खराबी आ गई है। नगर निगम द्वारा लोगों की सेहतमंदी के लिए 11 अलग-अलग तरह के ओपन जिम उपकरण शहर के विभिन्न बगीचों में लगवाए गए हैं, इसका उपयोग गार्डन में सुबह और शाम आने वाले लोग कर रहे हैं। पर जिम में लगाए गए उपकरणों की मेंटनेंस अवधि समाप्त होने के बाद दोबारा इसके मरम्मत के लिए एजेंसी तय नहीं होने से कई स्थानों पर एक्सरसाइज के लिए लगाए गए उपकरणों में खराबी आ गई है। वीर सावरकर वार्ड में ऐसे 4 स्थानों पर लोगों की सुविधा के लिए नगर निगम ने ओपन जिम के उपकरण लगवाए हैं। हीरापुर के नवयुग स्कूल के पास लगाए गए ओपन जिम उपकरण खराब होने से स्कूली बच्चे इसका उपयोग नहीं कर पा रहे। वार्ड पार्षद संदीप साहू ने बताया कि पूजा गार्डन, एसडी कालोनी शिव मंदिर के पास वाला गार्डन के जिम उपकरण पूरी तरह खराब हो चुके हैं। इसे बदलने की मांग जोन 1 और निगम मुख्यालय में की गई है।

कृष्णानगर का ओपन जिम टूट गया जिम वाली जगह सामुदायिक भवन

नगर निगम जोन 7 क्षेत्र स्थित संत रामदास वार्ड के कृष्णानगर में नगर निगम द्वारा लगवाया गए ओपन जिम के उपकरण देखरेख के अभाव में टूट कर गिर गया। इसे दोबारा नया लगवाने की जगहउस जगह पर नगर निगम ने सामुदायिक भवन बनवा दिया है। इससे लोगों को एक्सरसाइज करने ओपन जिम की सुविधा नही मिल पा रही है। पार्षद भोलाराम साहू ने बताया कि कर्मा चौक से काली मंदिर तक ओपन जिम के लिए प्रस्ताव बनाया गया है। आने वाले दिनों में इस पर काम किया जाएगा।

नमी वाली हवा से लुढ़का तापमान, ग्रीष्मलहर से सुकून, शाम होते ही 40 की रफ्तार से चली आंधी

पारा लुढ़कने से गर्मी में आएगी कमी, कहीं-कहीं बारिश भी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के प्रभाव से तापमान में आई गिरावट के बाद ग्रीष्मलहर से राहत मिली है। शाम होने के बाद शहर में 40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चली, जिससे मौसम में और ठंडकता आ गई। शनिवार को राज्य का अधिकतम तापमान 42.8 दर्ज किया गया। नमीयुक्त हवा ने पिछले चौबीस घंटे में अपना ज्यादा असर उत्तरी इलाकों में दिखाया है। पेंड्रा में दोपहर में भारी बारिश हुई और कई इलाकों में तेज आंधी के प्रभाव से जनजीवन प्रभावित हो गया।

इसी तरह अंबिकापुर में भी काफी देर बरसात होती रही, जिससे वहां दिन का तापमान काफी नीचे चला गया। इसी तरह मध्य इलाके में भी छाए बादलों का असर दिखा और धूप की तेजी लोगों को ज्यादा हलाकान नहीं कर पाई। हालांकि दोपहर में चिपचिपाहट ज्यादा बढ़ती हुई महसूस हुई। शहर का अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री से आगे नहीं बढ़ पाया और शाम होने के बाद यहां हवा की गति बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक रायपुर के अलावा आसपास के इलाकों में करीब 40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चली। शाम होने के दौरान शहर की सड़कों पर बढ़े वाहनों की संख्या के बीच बदले मौसम ने जनजीवन को कुछ देर के लिए प्रभावित कर दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक हवा के साथ नमी का प्रवेश होता रहेगा, तब तक इस तरह मौसम में बदलाव होता रहेगा।

बंगाल की खाड़ी में सिस्टम

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अभी एक द्रोणिका मध्य पाकिस्तान से अंदरुनी उड़ीसा तक राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर छत्तीसगढ़ तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी और दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर मौजूद है। इसके अलावा एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बंगाल की खाड़ी से नमी का आगमन लगातार जारी है। रविवार को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। साथ ही अधिकतम तापमान में हल्की गिरावट संभावित है।

4 जून से बढ़ेगा दायरा

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अभी राज्य के मौसम उतार-चढ़ाव वाली स्थिति बनेगी। इसके बाद 4-5 जून के बाद राज्य में बारिश की गतिविधियों का विस्तार होगा। माना जा रहा है कि इस अवधि में दक्षिण-पश्चिमी मानसून केरल में अपनी दस्तक देगा। मानसून के वहां पहुंचने के बाद स्थिति सामान्य रहने पर राज्य में भी बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। राज्य में मानसून सामान्य दिनों में 13 जून को दस्तक देता है और इसके आसपास ही उसके आने के आसार बन रहे हैं।

हांडी तालाब को जलकुंभी मुक्त कराने चलाया सफाई अभियान

जनशिकायत पर जोन 7 ने सफाई मित्रों की विशेष गैंग से कराई सफाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

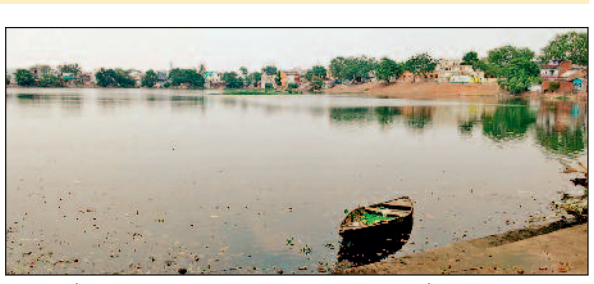

राजधानी के तात्यापारा वार्ड क्षेत्र स्थित हांडी तालाब में जलकुंभी की शिकायत पर शनिवार को नगर निगम जोन 7 अमले ने संज्ञान लेते हुए तालाब की सफाई कराने विशेष सफाई अभियान चलाया। जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू ने हांडी तालाब में 15 सफाई मित्रों की विशेष गैंग जलकुंभी सफाई के लिए तालाब में उतारी। तालाब के भीतर से जलकुंभी निकालकर हांडी तालाब को जलकुंभी से मुक्त कराया गया।

नगर निगम जोन 7 में हांडी तालाब में जलकुंभी से हो रही परेशानी को लेकर स्थानीय रहवासियों ने जोन कार्यालय में शिकायत करते हुए तालाब की सफाई कराने आग्रह किया। शिकायत मिलने के बाद जोन के स्वास्थ्य विभाग ने सफाई मित्रों की सहायता से हांडी तालाब में फैले जलकुंभी की सफाई करवाई। लोगों से तालाब में गंदगी और कचरा न डालने की अपील कर तालाब को स्वच्छ और सुंदर बनवाने का आग्रह किया गया।

रायपुर -रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 7 के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन 7 जोन अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा और जोन 7 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आत्मानन्द साहू के मार्गनिर्देशन में जनशिकायत पर उनका त्वरित निदान करने नगर निगम जोन 7 क्षेत्र अंतर्गत तात्यापारा वार्ड के क्षेत्र में हाण्डी तालाब में लगभग 15 सफाई मित्रों के विशेष गैंग की सहायता से सफाई अभियान चलाकर तालाब के भीतर से जलकुम्भी को बाहर निकालकर और उसको तत्काल उठवाकर हाण्डी तालाब को जलकुम्भी से मुक्त करवाते हुए समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से स्वच्छता कायम की गयी और प्राप्त जनशिकायत का जोन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से त्वरित निदान किया गया. इसके साथ ही हाण्डी तालाब के आसपास जनजागरण अभियान रहवासियों के मध्य चलाया जाकर नागरिकों से तालाब में गन्दगी और कचरा नहीं डालने और वार्ड और रायपुर शहर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने सहभागिता दर्ज करवाने की की विनम्र अपील नगर निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गयी।

पत्नी, बच्चे को भगाकर ले जाने के गम में ट्रांसपोर्टर ने पुल से कूदकर की खुदकुशी

- पंजाब से आए युवक ने ट्रांसपोर्टर की पत्नी बच्चे को झांसा देकर अपने साथ एक माह पूर्व भगाकर ले गया है
- ट्रांसपोर्टर की पत्नी, बच्चे को भगाकर जो ले गया है उसके खिलाफ एक अन्य महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

आमानाका थाना क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्टर ने शनिवार शाम साढ़े पांच बजे पुल से कूदकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी करने के पूर्व मृतक ने एक ऑडियो जारी किया है, जिसमें उसने किसी निशान सिंह महली तथा उसकी बहन के खिलाफ आरोप लगाया है। आरोपों के मुताबिक निशान सिंह तथा उसकी बहन मृतक की पत्नी तथा दो बच्चों को एक माह पूर्व झांसा देकर अपने साथ भगाकर उत्तराखंड ले गए हैं। इससे दुखी होकर ट्रांसपोर्टर ने खुदकुशी करने की बात कही है।

पुलिस के अनुसार हीरापुर निवासी सोनू नामक युवक ने पुल से छलांग लगाकर खुदकुशी की है। सोनू द्वारा जारी ऑडियो के अनुसार निशान सिंह उसकी पत्नी को शादी करने का झांसा देकर बच्चों को साथ लेकर भाग गया। इसके लिए सोनू ने अपने समाज से जुड़े लोगों से पत्नी तथा बच्चों को वापस लाने गुहार लगाई। साथ ही थाने में अपनी पत्नी, बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। पत्नी तथा बच्चों के वापस नहीं आने से सोनू बुरी तरह से टूट गया और उसने पुल से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली।

स्टेशन में गांजे के साथ यूपी का तस्कर गिरफ्तार, दिल्ली जाने की थी तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

जीआरपी थाना और रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट रायपुर की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के कब्जे से 10 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 35 हजार रुपये है। टीम ने रायपुर रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र के पीछे स्थित नए गेट के पास एक युवक को संदिग्ध रूप में पकड़ा। टीम ने जब उसके ट्रॉली बैग की तलाशी ली, तो उसमें से 5 पैकेट गांजा और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

ओडिशा से गांजा लाकर दिल्ली ले जाने की थी साजिश

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी की पहचान अक्षय कुमार 23 वर्ष, पिता सतपाल, निवासी खातौली, मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह यह गांजा मलकानगिरी (ओडिशा) से लेकर आया था और ट्रेन के जरिए इसे दिल्ली ले जाने की तैयारी में था।

प्रदेश में 15 हजार से ज्यादा कारोबारी, पंजीयन सिर्फ ढाई हजार का

हॉलमार्क का पंजीयन कराए बिना बेच रहे जेवर, अब होगा एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

प्रदेश के सराफा कारोबारी हॉलमार्क पर गंभीर ही नहीं हैं। तीन साल बाद भी 15 हजार कारोबारियों में से मुश्किल से ढाई हजार ने अपना पंजीयन कराया है। ज्यादातर बड़े कारोबारियों ने तो पंजीयन करा लिया है, लेकिन छोटे कारोबारी जिनका कारोबार 50 लाख से कम है और जो जीएसटी के दायरे में भी नहीं आते, उन्होंने पंजीयन कराने में रुचि नहीं दिखाई है, जबकि एक अप्रैल 2023 से हर तरह की सोने की ज्वेलरी पर हॉलमार्क जरूरी है। राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश में बिना पंजीयन के जेवर बेचने वाले सराफा कारोबारियों पर अब एक्शन की तैयारी है। एक दिन पहले ही राजधानी के दो कारोबारियों के यहां छापा मारा गया है। आने वाले समय में अन्य कारोबारियों के यहां भी छापे पड़ेंगे। सोने के जेवरों पर वैसे तो 2021 से ही हॉलमार्किंग अनिवार्य है, लेकिन यह पहले ऐच्छिक था, लेकिन

इसको एक अप्रैल 2023 से केंद्र सरकार ने जरूरी कर दिया। इसके बाद से कारोबारियों ने पंजीयन कराना प्रारंभ किया। पंजीयन कराने का कोई शुल्क न होने के बाद भी जेवर बेचने वाले कारोबारियों ने पहले इस उम्मीद में पंजीयन नहीं कराया कि सरकार शायद जल्द ही जेवर बेचने वाले कारोबारियों के लिए पंजीयन की अनिवार्यता समाप्त कर देगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्री को पत्र भी लिखा गया था। केंद्र सरकार ने कारोबारियों की मांग नहीं मानी, इसके बाद भी कारोबारियों ने अब तक पंजीयन नहीं कराया है।

85 फीसदी का पंजीयन नहीं

जेवर बेचने वालों के लिए भी हॉलमार्क में पंजीयन कराना जरूरी होने के बाद भी अपने राज्य में 85 फीसदी ने अपना पंजीयन कराया ही नहीं है। प्रदेश में 15 हजार सराफा कारोबारी हैं जो सोने के जेवर बेचने का काम करते हैं। राजधानी रायपुर में ही दो हजार से ज्यादा कारोबारी हैं। रायपुर सराफा एसोसिएशन के 600 से ज्यादा सदस्य हैं। रायपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष धरम भंसाली के मुताबिक हमारे सदस्यों में से ज्यादातर ने पंजीयन करा लिया है, लेकिन इसके अलावा भी छोटे मोहल्लों और कालोनियों में कई ज्वेलर्स ऐसे हैं जो एसोसिएशन के सदस्य नहीं हैं और अपना कारोबार करते हैं, वे पंजीयन कराने में गंभीर नहीं हैं। हमने एक दिन पहले की छापामार कार्रवाई के बाद सभी सदस्यों से साथ ही छोटे व्यापारियों से भी आग्रह किया है कि वे अपना पंजीयन करा लें और परेशानी से बचें।

प्रदेश में दस सेंटर

हॉलमार्क के प्रदेश में चार जिलों में दस सेंटर हैं। राजधानी रायपुर में छह, दुर्ग में दो और राजनांदगांव और बिलासपुर में एक-एक सेंटर है। इन सेंटर के सौ किलोमीटर के दायरे में आने वाले सराफा कारोबारी अपना पंजीयन करा सकते हैं। इतनी सुविधा होने के बाद भी कारोबारी पंजीयन नहीं करा रहे हैं।

सभी पंजीयन कराएं

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के ही हमारे 15 हजार सदस्य हैं। हमारा सभी से आग्रह कि सभी को अपना पंजीयन कराना चाहिए।

\- कमल सोनी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 31 मई 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

कुंज बगीचे में फूलों से सजाए 11 झूले....

लाइव इवेंट

सिक्ख समाज ने प्रदेश के 250 प्रतिभाओं का किया सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिक्ख समा द्वारा इस वर्ष की भी प्रदेश स्तरीय प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान करने के लिए विमतारा भवन में एक भव्य समारोह आयोजित किया। इसमें कक्षा 9वी 10वीं, 11वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थी जिन्होंने परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया है, उनका उत्साह बढानें के लिए समाज द्वारा आयोजन किया गया। इसमें 95 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को मैडल, मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट दिया। प्रदेशभर से लगभग 250 विद्यार्थी और उनकें अभिभावकों सहित 600 लोगों ने इस सम्मान समारोह में भाग लिया। जसरीत कौर अंबिकापुर, मनेंद्रगढ़, विश्रामपुर, जगदलपुर, नारायणपुर, कोंडागांव सार्थक सखूजा, जसप्रीत अजमानी, डोंगरगढ़ चनप्रीत कौर भाटिया, रायगढ़ सतगुन कौर टूटेजा सहित सभी विद्यार्थियों का सम्मान समाज द्वारा किया गया।

इनकी उपस्थिति में किया गया समारोह आयोजन

इस सम्मान समारोह का संचालन रविंदर सिंह दत्ता और आभार व्यक्त करने का दायित्व सिक्ख समाज छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह छाबड़ा ने निभाया। कार्यक्रम में गुरुद्वारा टाटीबंध के प्रधान चरणजीत सिंह चन्नी, सचिव सुखदेव सिंह काकू, गुरुद्वारा हीरापुर के प्रधान सत्येन्दर सिंह, सचिव हरमीत सिंह, गुरुद्वारा गोविंद नगर के इन्दरजीत सिंह चावला, सचिव मनिंदर सिंह, गुरूद्वारा स्टेशन रोड के मीत प्रधान तेजिन्दर सिंह होरा, सचिव कुलदीप सिंह मक्कड़, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा की उपस्थिति ने इस समारोह को गरिमामय बनाया। महिला विंग की अध्यक्ष डाली गुम्बर, सुरेन्दर कौर छाबड़ा, सोमा छाबड़ा, डिम्पी अजमानी ने समारोह को अपनी सहभागिता से सफल बनाया।

अग्रसेन कॉलेज में मोनिका ने कबाड़ से बनाया बेस्ट फ्लावर पॉट, रेलवे समर कैंप में 207 बच्चों ने निखारी प्रतिभा

हुनर का समर कैंपः बच्चों ने सीखी ताइक्वांडो की बारीकियां, पेंटिंग और क्राफ्टिंग में बिखरी कला की चमक

छत्तीसगढ़ बंगाली समाज की पहल पर बंगाली कालीबाड़ी में आयोजित पांच दिवसीय बाल संस्कार पाठशाला में प्रतिभागी बच्चों का उत्साह और सहभागिता देखने लायक रही। इस विशेष आयोजन में रुद्र नृत्य कला निकेतन माना के बच्चों ने भागीदारी निभाते हुए अपनी प्रतिभा, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शनिवार को संस्कार, संस्कृति और व्यक्तित्व विकास को केंद्र में रखकर आयोजित इस पाठशाला का उद्देश्य बच्चों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी सशक्त बनाना है।

रायपुर। कक्षा पहली से सातवीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन भी दिया गया। पाठशाला में बच्चों को सामान्य ज्ञान, व्यक्तित्व विकास, आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्य, महान नेताओं के जीवन, इतिहास एवं पर्यावरण जागरूकता, समय प्रबंधन भी सिखाया जा रहा है।

सार्वजनिक भाषण और एंकरिंग कौशल की दी जानकारी

संस्कृति संरक्षण, रोचक कहानी सत्र तथा सार्वजनिक भाषण और एंकरिंग कौशल जैसे विषयों की जानकारी दी गई। रुद्र नृत्य कला निकेतन, माना के बच्चों ने पूरे कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने सांस्कृतिक गतिविधियों, संवाद सत्रों और विभिन्न शिक्षाप्रद कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। उनके उत्साह और अनुशासन की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों ने भी इस तरह की पहल को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद उपयोगी बताया। पाठशाला के समापन अवसर पर बच्चों को प्रेरणादायक संदेश दिए गए और उन्हें जीवन में अनुशासन, समय प्रबंधन तथा सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आयोजन के दौरान बच्चों को नाश्ते की भी व्यवस्था उपलब्ध कराई गई, जिससे उनका उत्साह और बढ़ गया।

रेलवे इंस्टीट्यूट के समर कैंप का समापन, 207 बच्चों ने निखारी प्रतिभा

डब्ल्यूआरएस रेलवे इंस्टीट्यूट द्वारा 19 दिवसीय 'समर कैंप का समापन हुआ। यह समारोह निर्मल कुमार भंडारी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष रूप से सौरव दवग्गर, नीलांजन नियोगी, रामनारायण साहू, रामस्वरूप, रामनारायण ठाकुर और ए. रमेश बाबू सहित इंस्टीट्यूट के कार्यकारिणी सदस्य व बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। इस समर कैंप में 207 बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिन्हें अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बैडमिंटन, ताइक्वांडो, शतरंज, फुटबॉल, ड्राइंग, नृत्य, फन गेम्स, क्राफ्टिंग और पर्सनालिटी डेवलपमेंट का प्रशिक्षण दिया गया। पर्सनालिटी डेवलपमेंट सत्रों के जरिए बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर खास जोर दिया गया। संस्थान के लिए यह बड़े गर्व का विषय रहा कि ताइक्वांडो के पांच खिलाड़ियों में से तीन रेल कर्मचारियों के बच्चे अब अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने जा रहे हैं।समारोह में मुख्य अतिथि निर्मल भंडारी ने बच्चों के साथ खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया और अभिभावकों से आयोजन का फीडबैक लिया। इस दौरान 'पर्यावरण एवं जल संरक्षण' विषय पर आयोजित ड्राइंग व पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बच्चों द्वारा तैयार किए गए सुंदर क्राफ्ट से ही अतिथियों का स्वागत किया गया। अंत में सभी प्रशिक्षकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सभी ने इस आयोजन को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक बेहद सफल कदम बताया।

छात्रों ने इनोवेटिव आइडियाज से बेकार सामानों से उकेरी आकर्षक कलाकृतियां मोनिका ने जीता प्रथम स्थान

अग्रसेन महाविद्यालय में छात्रों की रचनात्मकता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने घर के बेकार सामानों का उपयोग कर बेहद खूबसूरत कलाकृतियां बनाईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कला संकाय की छात्रा मोनिका यादव ने क्ले और वेस्ट मटेरियल से आकर्षक फ्लावर पॉट बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, पुरानी सामग्रियों को रीसायकल कर सुंदर फ्लावर बकेट बनाने वाली संस्कृति सोनकर द्वितीय रहीं।निर्णायक के रूप में उपस्थित वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. शोभा अग्रवाल व सहायक प्राध्यापक रिदवाना हसन ने छात्रों के इनोवेटिव आइडियाज की जमकर तारीफ की। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. वी.के. अग्रवाल और प्रिंसिपल डॉ. यूलेंद्र राजपूत ने कहा कि रचनात्मक सोच से बेकार चीजों को भी अनमोल बनाया जा सकता है। प्रशासकीय अधिकारी डॉ. अमित अग्रवाल ने इसे सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम प्रभारी रुक्मिणी अग्रवाल ने बताया कि विजेताओं को महाविद्यालय के फाउंडेशन डे पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

सिटी लाइव

आम महोत्सव में विशेषज्ञों ने किसानों को सिखाए उन्नत खेती के गुर

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव के दूसरे दिन आमों की मनमोहक सुगंध और स्वाद से सराबोर नजर आया। शनिवार को महोत्सव में आम प्रेमियों और दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। आगंतुकों ने प्रदर्शनी में रखी गई आम की दुर्लभ, लोकप्रिय और उन्नत किस्मों का अवलोकन कर उनकी विशेषताओं, रंग-रूप और स्वाद की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान प्रसिद्ध शेफ आकांक्षा रॉय का कुकिंग सेशन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने आम प्रेमियों को आम से बनने वाले विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों की लाइव रेसिपी सिखाई। उनके द्वारा तैयार किए गए लजीज व्यंजनों ने वहां मौजूद हर दर्शक का मन मोह लिया।

अल्फांसो, केसर और दशहरी की रही भारी मांग

महोत्सव में विभिन्न राज्यों से आए किसानों द्वारा आम की कई उन्नत किस्मों की बिक्री भी की जा रही है। शनिवार को आमों के स्टॉल पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली, जहां आगंतुकों ने अपनी पसंदीदा किस्मों की जमकर खरीदारी की। मेले में विशेष रूप से अल्फांसो, केसर, दशहरी, फजली और अरूणिमा किस्म के आमों की सबसे ज्यादा डिमांड रही। यह शानदार आयोजन आम उत्पादकों, उद्यमियों और आम प्रेमियों के लिए ज्ञान, व्यापार और स्वाद का एक अनूठा मंच बनकर उभर रहा है।

विशेषज्ञों ने किसानों को दिए उन्नत खेती और मुनाफे के टिप्स

महोत्सव के दूसरे दिन कृषकों के लिए एक विशेष तकनीकी सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने किसानों को आम उत्पादन, पौधरोपण की वैज्ञानिक विधियों, उन्नत किस्मों के चयन, कीट व रोग प्रबंधन और बागवानी की आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस सत्र में मुख्य रूप से आम उत्पादन की लागत कम करने, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बढ़ाने और बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त करने के उपायों पर गहन चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने किसानों द्वारा पूछे गए सवालों के व्यावहारिक समाधान भी प्रस्तुत किए, जो भविष्य में उनकी आय वृद्धि और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में बेहद सहायक सिद्ध होंगे। महोत्सव के तहत कृषि विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग और प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में मैंगो व्यंजन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस रोचक प्रतियोगिता की निर्णायक प्रसिद्ध शेफ आकांक्षा रॉय रहीं। पुरस्कार वितरण समारोह में जय हरीतिमा लेडीज क्लब रायपुर की अध्यक्ष ममता चंदेल ने बतौर मुख्य अतिथि विजेताओं को सम्मानित किया। इस स्वादिष्ट व्यंजन प्रतियोगिता में अपनी पाक कला का शानदार प्रदर्शन करते हुए शंपा यादव ने प्रथम पुरस्कार हासिल किया। वहीं, अंशिका नायक को द्वितीय और सान्वी नायडू को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया।

गुरु अर्जन देव को किया याद उनके त्याग, सेवा पर प्रदर्शनी

रायपुर। तेलीबांधा स्थित गुरुद्वारा प्रांगण में छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आयोजित विशाल छबील एवं चित्र प्रदर्शनी में उत्साहमय माहौल रहा।इसमें सीएम विष्णु देव साय प्रमुख रूप से शामिल हुए। दरबार में श्रद्धाभाव से माथा टेकने के बाद गुरु अर्जन देव के बलिदान, मानवता की सेवा और रक्षा के लिए समर्पित उनके जीवन संदेश को स्मरण किया। इसके बाद सीएम श्री साय ने राहगीरों को शरबत एवं प्रसादी वितरित करते हुए सेवा परंपरा में सहभागिता भी निभाई। सिक्ख समाज ने मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद सीएम ने श्री गुरु अर्जन देव के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में उनके दिव्य जन्म से लेकर शहादत तक की प्रेरक और गौरवपूर्ण यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया था।

अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया

सिक्ख समाज के बीच सीएम श्री साय ने कहा कि श्री गुरु अर्जन देवजी त्याग, तपस्या, सत्य, सेवा और मानवता की महान प्रतिमूर्ति थे। उनका संपूर्ण जीवन समाज को प्रेम, समानता, करुणा, समर्पण और मानव कल्याण का मार्ग दिखाता है। गुरु अर्जन देवजी ने अन्याय, अत्याचार और दमन के सामने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। असहनीय यातनाओं के बाद उनका धैर्य, साहस, आत्मबल और गुरु के प्रति अटूट विश्वास आज भी संपूर्ण मानवता के लिए अमर प्रेरणा का स्रोत है। इस भव्य आयोजन के लिए सिक्ख समाज को साधुवाद दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव सहित छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के लोग और पदाधिकारियों के साथ श्रद्धालुओं ने भी सेवा दी।

बच्चे ही राष्ट्र की नींव, जोनल स्तरीय निरंकारी बाल समागम में गूंजा संस्कारों का संदेश

रायपुर। संत निरंकारी मिशन द्वारा अग्रसेन भवन में आयोजित जोनल स्तरीय बाल समागम उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। समागम में रायपुर, दुर्ग-भिलाई समेत कांकेर, जगदलपुर, राजनांदगांव व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ उनमें नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का संवर्धन करने के लिए किया गया था। इस दौरान मुंबई से आये कान्हा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उनमें बचपन से ही सत्य, विनम्रता, सहनशीलता, अनुशासन एवं सेवा भाव जैसे गुणों का विकास होना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को माता-पिता, गुरुजनों एवं बड़ों का सम्मान करने तथा सदैव अच्छे विचारों एवं अच्छे कर्मों को अपनाने की प्रेरणा दी। समागम में बच्चों ने भजन, गीत, कविता, नृत्य एवं लघु नाटिकाओं के माध्यम से प्रेम, भाईचारे, समर्पण और सद्भावना का संदेश प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

मंच पर नन्हे-मुन्ने कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। संस्था के शंकर सचदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में निरंकारी सद्गुरु माता सुदीक्षा का पावन संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। संदेश में बच्चों को निरंतर अध्ययन करने, सकारात्मक सोच रखने एवं मानव कल्याण की भावना के साथ जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया गया। समागम में उपस्थित अभिभावकों ने मिशन के इस प्रयास की सराहना की।

वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में प्रेस क्लब ने किया आयोजन, शामिल हुए सीएम साय

पत्रकार और पत्रकारिता में बदलाव पर मार्तण्ड उत्सव में मंथन, वक्ताओं ने भी साझा की 200 साल की यादें

कार्नर न्यूज

रायपुर। पत्रकार और पत्रकारिता में हो रहे बदलाव के बीच पत्रकारों के सामने निर्मित होने वाली चुनौतियों पर प्रबुद्ध वक्ताओं ने जहां शनिवार को मंथन किया। वहीं किस तरह से 200 साल पहले शुरू हुई पत्रकारिता ने अब तक का सफर तय किया। इसको लेकर भी विद्वान अतिथियों ने अपने को साझा करते हुए आदर्श विचार भी रखे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी सूचनाओं को लोगों तक पहुंचाने का दायित्व निभा रहे हैं। समाज को सही दिशा देने में भूमिका निभाते हैं। मीडिया की सकारात्मक आलोचना केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि प्रशासन और सरकार को भी आत्ममंथन और बेहतर कार्य की दिशा प्रदान करती है। उन्होंने इस आयोजन के लिए प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, महासचिव गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु को साधुवाद दिया।

पत्रकारिता जगत में भी कई शिखर पुरुष दिए

सीएम श्री राय ने रायपुर की पत्रकारिता परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि इस शहर ने पत्रकारिता जगत के कई शिखर पुरुष दिए हैं। मधुकर खेर, मायाराम सुरजन, ललित सुरजन, रमेश नैय्यर और बबन प्रसाद मिश्र सहित कई प्रतिष्ठित संपादकों और पत्रकारों का स्मरण करते हुए कहा कि इन विभूतियों ने पत्रकारिता की सशक्त और वैचारिक परंपरा को समृद्ध किया। मीडिया लोकतंत्र की आधार शिला और देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तक पत्रकारिता ने हमेशा परिवर्तनकारी भूमिका निभाई। 30 मई 1826 को कोलकाता से श्री जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित देश के प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड ने पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा गर्व का विषय है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भी यादें साझा की।

पत्रकार डायरेक्टरी और पुस्तक का विमोचन

मुख्य वक्ता रहे वरिष्ठ पत्रकार डॉ. के.जी. सुरेश ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर स्वतंत्र भारत तक पत्रकारिता ने राष्ट्रधर्म और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। हिंदी पत्रकारिता ने समय के साथ बदलती तकनीक के अनुरूप स्वयं को विकसित किया है, किंतु सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और पत्रकारिता की अवधारणा ने नई चुनौतियां उत्पन्न की हैं। इस अवसर पर सीएम श्री साय ने पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान देने वाले विशिष्टजनों को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। साथ ही प्रेस क्लब की पत्रकार डायरेक्टरी और दिनेश यदु की पुस्तक 'मैं अगहन हूं' का विमोचन किया। पहले सत्र में वरिष्ठ पत्रकार हर्षवर्धन त्रिपाठी, विजय मनोहर तिवारी, गिरीश पंकज और दूसरे सत्र में अनिल पुसदकर, विश्वेश ठाकरे जैसे वरिष्ठ पत्रकारों ने पत्रकारिता के बदलाव पर अपनी बात रखी।

कुंज बगीचे में फूलों से सजाए 11 झूले, श्री गिरिराज धाम में वर्षा की फुहारों के बीच मल्हार राग में किया कीर्तन

शहर के बूढ़ापारा स्थित श्री गिरिराज मंदिर में पुरुषोत्तम मास में ठाकुरजी के मनोरथ दर्शन उत्सव की रही धूम

रायपुर। पुरुषोत्तम मास को यादगार बनाने के लिए वैष्णव जन ने बूढ़ापारा स्थित श्री गिरिराज मंदिर में स्वामी और स्वामिनी को तिथिगत महत्ता के अनुरुप उत्सव की तरह सजा रहे हैं। शुक्रवार को जेष्ठ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी पर देर-रात तक मनोरथ दर्शन उत्सव में लोगों को शामिल होने का अवसर दिया। इसके लिए वैष्णव मार्गी भक्तों ने सावन और भादों मास में मिलने वाली त्रयोदशी की तरह ठाकुरजी के दरबार में कुंज बगीचे का माहौल फूलों और पत्तों से निर्मित किया। ठाकुरजी के लिए सजाए गए 11 आकर्षक झूलों से सजे मनोरम दृष्य के बीच सावन की फुहारों ने भगवान ही नहीं भक्तों को भी सुकून का एहसास दिया। हर तिथिगत पर्व को उत्सव की तरह सजाने का सिलसिला करीब सौ साल पुराने श्री गिरिराज मंदिर में तीन साल बाद मिले मलमास में इस बार भी जारी है। जहां आराध्य देव की मनमोहक झलक पाने के लिए उपासकों की भीड़ रही ।मनोरथ दर्शन उत्सव के बीच मथुरा से आए तीन गायकों ने राग मल्हार की तर्ज पर कीर्तन करते हुए लोगों को उत्सव का माहौल दिया। दर्शन के लिए आने वाले वैष्णव जन की सुविधा के लिए मंदिर से जुड़े प्रमुखों ने पुख्ता इंतजाम किया है।

मंदिर में प्रमुख तिथियों को दे रहे उत्सव का रूप

वहीं शाम को भक्तों ने उत्साह से ठाकुरजी के दरबार को आकर्षक स्वरूप देने में सहयोग किया। गुलाब, मोंगरा और गेंदा सहित अलग-अलग फूलों से दिव्य दरबार के साथ ही ठाकुरजी का श्रृंगार किया। इसके अलावा भगवान को सावन-भादों मास की त्रयोदशी पर होने वाले झूला उत्सव के भाव से जोड़ने के लिए 11 झूलों की दिव्य श्रृंखला सजाई गई। जहां कृत्रिम फुहारों से वैसा ही सुखद एहसास देने का प्रयास किया गया, जैसा सावन के मौसम में मिलता है। सनातन वैष्णव वल्लभ संप्रदाय में विशेष रूप से अधिमास में वर्षभर मिलने वाले सभी प्रमुख तिथियों को उत्सव का रूप दिया जा रहा है। मंदिर के प्रमुख श्री त्रिवेदी ने बताया कि इस क्रम में सुबह भक्तिभाव से लोगों ने पूजा-अर्चना और आरती में भाग लिया। वहीं, शाम ढलने से पहले श्री गिरिराज बाबा के दरबार को वैष्णव जन ने वृंदावन की तरह सजाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ठाकुरजी की एक झलक पाने के लिए लोग परिवार के साथ पहुंचे। राग मल्हार से सजे कीर्तन में पुष्टिमार्गीय रीतियों का निर्वहन किया गया। इसके चलते भक्तों का उत्साह देखने लायक था। इसमें सभी वर्ग के लोग शामिल हुए।

ठाकुरजी का अभिषेक करते हुए पुण्य अर्जित किया

शहर के श्री गिरिराज मंदिर प्रांगण में सुबह से शाम तक पुरुषोत्तम मास उत्सव की श्रृंखला में त्रयोदशी तिथि के चलते भक्तिमय माहौल रहा। सुबह 8.15 से 9 बजे के बीच पंडित सोमनाथ चतुर्वेदी और 33 वेदाचार्यों ने 25 मिनट मंत्रोच्चार किया। इस बीच में भक्त परिवारों ने 51 किलो दूध से ठाकुरजी का अभिषेक करते हुए पुण्य अर्जित किया। इसके बाद ठाकुरजी का मलमल के वस्त्रों, फूलों से नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। उनकी एक झलक पाने के लिए शाम को भक्तों की भीड़ उमड़ी। मंदिर के मुखिया अभिषेक त्रिवेदी के मार्गदर्शन में प्रतिदिन पूजा उत्सव में लोग परिवार के साथ सहभागी बन रहे हैं।

150 उपवास पूर्ण होने के साथ विराग मुनि का अभिनंदन आज

रायपुर। जैन समाज के लिए रविवार का दिन विशेष आध्यात्मिक उल्लास लेकर आ रहा है। तप चक्रवर्ती परम पूज्य श्री वीरभद्र मुनि जी (विराग मुनि) म.सा. के 150 उपवास पूर्ण होने(30 मई को 150वां उपवास पूर्ण) के साथ आचार्य पदारोहण, सहस्त्रावधान एवं तपस्या महोत्सव के उपलक्ष्य में 31 मई को भव्य वरघोड़ा निकाला जाएगा। इसी दिन प.पू. पंन्यास प्रवर गणाधीश श्री विनयकुशल मुनि म.सा. एवं प.पू. श्री विरतियशा श्रीजी म.सा. सहित साधु-साध्वी मंडल का मंगल प्रवेश भी होगा।महोत्सव के प्रचार प्रसार समिति के अजय मालू एवं कन्हैया लूनावत ने बताया कि सुबह 6:45 बजे सदर जैन मंदिर से भव्य वरघोड़ा प्रारंभ होकर कोतवाली चौक, मालवीय रोड, जय स्तंभ चौक और शारदा चौक होते हुए एम.जी. रोड स्थित दादाबाड़ी पहुंचेगा। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। वरघोड़ा के उपरांत दादाबाड़ी में सुबह 9:30 बजे पत्रिका लेखन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की विशेषता यह रहेगी कि 108 वरिष्ठ समाजजन सामूहिक रूप से पत्रिका लेखन करेंगे। यह धार्मिक आयोजन आगामी आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान महोत्सव की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

सामूहिक हनुमान चालीसा का वार्षिकोत्सव 2 जून को, कांच और कीलों पर होगा हैरतअंगेज नृत्य

रायपुर। राजधानी रायपुर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का वार्षिकोत्सव एक अनूठे और भव्य रूप में मनाया जा रहा है। चौबे कॉलोनी स्थित श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर में संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के चार वर्ष पूरे होने पर आगामी मंगलवार, 2 जून को चतुर्थ वार्षिकोत्सव बेहद धूमधाम से मनाया जाएगा। इस विशेष अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों से सजाने के साथ ही हनुमान जी का झूला उत्सव भी मनाया जाएगा। आयोजक श्री हनुमंत सेवा समिति' ने बताया कि सुबह 6:45 बजे अग्रसेन चौक स्थित श्री गणेश मंदिर से चिंताहरण हनुमान मंदिर तक एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। गाजे-बाजे के साथ निकलने वाली इस यात्रा में रामदरबार, बाहुबली हनुमान, जामवंत और वानरों की जीवंत झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। यात्रा में तरुण सोनी एंड पार्टी द्वारा लाइव भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय कलाकार विकास मालवी अपने सिर पर 251 दीए रखकर कील और कांच पर मनमोहक धार्मिक नृत्य प्रस्तुत करेंगे। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं व पुरुष बजरंगबली की पताका लेकर चलेंगे। सुबह 10 बजे मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के साथ ज्योत और सवामणी का भोग लगाया जाएगा। इस दौरान 151 श्रद्धालु अपनी मनोरथ पूर्ति के लिए हनुमान जी को विशेष भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण करेंगे, जिन्हें भेंट स्वरूप हनुमान जी की गदा भी प्रदान की जाएगी। शाम 5:30 बजे छत्तीसगढ़ के मशहूर गायक जे.पी. शर्मा और मीनाक्षी राउत अपने भजनों से समां बांधेंगे।

हेल्थ टिप्स

आपका बच्चा करता है खुद से बातें तो हो जाएं सचेत

हममें से अधिकतर लोग मुश्किल हालात में खुद से बात करते हैं। बच्चे भी खुद से बातें करते हैं। अकेले में खुद से ही कुछ कहकर खुद ही उत्तर देना क्या उनके लिए सामान्य है? दिल्ली की रहने वाली रीना की बेटी सौम्या दूसरों बच्चों से उतनी बात नहीं करती, जितना कि खुद से करती है। रीना कई बार सौम्या को समझा चुकी है, लेकिन वह खुद से ही बातें करती रहती है। रीना इससे परेशान हो चुकी है, इसलिए उसने यह समस्या अपनी दोस्त हेमलता से साझा की। हेमलता ने रीना को बताया कि शोधकर्ताओं के अनुसार, इंटेलिजेंस और बच्चों का खुद से बात करना, दोनों का आपस में गहरा संबंध है।

खुद से बात करने की आदत उनके भाषायी विकास में भी बहुत योगदान करती है और उनके व्यवहार को विकसित करने में भी मदद करती है। हेमलता की बात से रीना तो संतुष्ट हो गई, लेकिन सवाल यह है कि क्या हेमलता सही कह रही है?

आत्मसंवाद कौशल

जब बच्चे खुद से बातें करते हैं तो इसके कई लाभ होते हैं। यह उनके आत्मसंवाद कौशल को विकसित करता है, जो कि उनमें स्वतंत्रता और स्वाधीनता की भावना को विकसित करता है। साथ ही इससे उनकी सोचने की क्षमता बढ़ती है और वे अपनी परेशानियों और परिस्थितियों को खुद हल करना सीखते हैं, जो भविष्य में मददगार साबित हो सकता है।

अभिव्यक्ति की क्षमता

जो बच्चे खुद से बात करते हैं, वे अपने विचारों को स्पष्ट ढंग से व्यक्त कर पाते हैं। अपने विचारों को मन में बोलकर बच्चे उसे सरल शब्दों में कहना भी सीखते हैं। इसके अलावा वे स्वतंत्र रूप से अपने विचारों को रखना भी सीखते हैं, वह भी बिना डरे। इतना ही नहीं, बच्चों का खुद से बात करना उन्हें एक मिलनसार व्यक्ति के रूप में विकसित होने में भी मदद करता है, जिसका मतलब है कि वे भविष्य में किसी भी अन्य व्यक्ति से आसानी से बात कर सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताए संकेत, इनमें से चार भी हैं तो हो सकता है टीबी; तुरंत कराएं जांच

तपेदिक का खतरा हमारे देश से अभी पूरी तरह टला नहीं, सावधानी ही इसके बचाव का रास्ता

टीबी या तपेदिक एक संक्रामक रोग है जो मुख्यतः फेफड़ों को प्रभावित करता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने टीबी के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए जरूरी लक्षण बताए हैं, जिनपर ध्यान देते रहना सभी के लिए जरूरी है। अगर इनमें से कुछ हफ्तों से 3-4 लक्षण भी बने हुए हैं तो इसकी जांच जरूर कराएं।

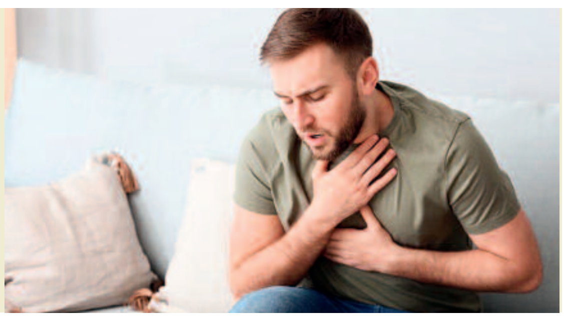

ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) यानि तपेदिक एक गंभीर संक्रामक रोग है इसके मामलों में पिछले कुछ वर्षों में उछाल देखा गया है। भारत ने साल 2025 तक देश से टीबी उन्मूलन या टीबी को खत्म करने का लक्ष्य बनाया था, हालांकि जिस तरह से हाल के वर्षों में मामलों में उछाल आया है, उसके चलते साल बीतने के बावजूद इससे ये लक्ष्य काफी दूर है। भारत ने अपने व्यापक प्रयासों से टीबी को नियंत्रित करने के प्रयास जरूर किए हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक साल 2015 में प्रति एक लाख लोगों पर 237 लोगों में टीबी का पता चलता था जो 2023 में घटकर 195 रह गया है। नए मामलों में 17.7 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, जो वैश्विक स्तर पर टीबी के मामलों में आ रही कमी से दोगुनी से भी अधिक है। बावजूद इसके भारत के लिए अभी से इसका उन्मूलन दूर नजर आता है।

टीबी से मौत के मामलों में आई है कमी

स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसद में बताया था कि- 2015 की तुलना में 2023 में टीबी के कारण होने वाली मौतों में भी 21 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सरकार के निरंतर प्रयासों के चलते देश में टीबी उपचार कवरेज भी 32 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। बड़ी संख्या में लोग ऐसे भी हैं जिन्हें बीमारी तो है पर उनका निदान नहीं किया गया, ऐसे लोगों का पता लगाने और उपचार प्रदान करने की दिशा में भी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। टीबी को देश से खत्म करने के लिए सभी लोगों को साथ आने का भी आह्वान किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं इसके लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान देना, समय पर निदान और इलाज करना बहुत जरूरी है।

टीबी के इन लक्षणों को जरूर जानिए

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने टीबी के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए 10 लक्षण बताए हैं, जिनपर ध्यान देते रहना सभी के लिए जरूरी है। अगर इनमें से कुछ हफ्तों से 3-4 लक्षण भी बने हुए हैं तो इसकी जांच जरूर कराएं। समय पर टीबी की पहचान होने पर रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा कम हो सकता है।

टीबी के लक्षणों में लगातार दो हफ्ते तक खांसी, शाम को बुखार,वजन का तेजी से कम होना,थूक के साथ खून आना,रात को पसीना आना,थकान और कमजोरी महसूस होना,शरीर के किसी भी भाग में गांठ होना,सीने में दर्द, हाल में हुए शारीरिक बदलाव और सांस से संबंधित क्रॉनिक बीमारी शामिल है।

स्वास्थ्य मंत्रालय कहता है, टीबी का इलाज संभव है, स्वस्थ भविष्य के लिए आज ही कदम उठाएं और लक्षणों की पहचान करके समय रहते इलाज प्राप्त करें। टीबी के बारे में अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-11-6666 पर कॉल भी कर सकते हैं।

प्यार और आकर्षण में है फर्क, इन संकेतों से जानें प्यार हैं या कुछ और

कई बार लड़का या लड़की एक दूसरे को देखकर पसंद करने लगते हैं। जिन्हें वो पसंद करते हैं, उन्हें जानना, दोस्ती करना चाहते हैं । कुछ मामलों में तो दोस्त इतना अधिक एक दूसरे को पसन्द करते हैं कि अपनी भावना को वह प्यार समझने लगते हैं।

दोस्ती को प्यार समझने की गलतफहमी अक्सर ही लोगों को हो जाती है, वहीं कई बार तो प्यार को महज दोस्ती का नाम देकर लोग कदम आगे नहीं बढ़ा पाते। दोनों ही मामलों में रिश्ता बिगड़ सकता है। आकर्षण को प्यार समझने की गलती करके आप प्रेम प्रस्ताव तो दे देते हैं लेकिन बाद में जब आपको महसूस होता है कि ये महज आकर्षण था, तब तक आप एक रिश्ते में आ चुके होते हैं और इससे निकलना थोड़ा मुश्किल हो सकता है । वक्त के साथ आकर्षण और लगाव खत्म हो जाता है। फिर रिश्ते को तोड़ने की नौबत आ जाती है।

पहली नजर में प्यार

कई बार लोग पहली बार किसी को देखते हैं और उसे पसंद करने लगते हैं। उन्हें लगता है कि यह पहली नजर का प्यार है। इसे लव एट फर्स्ट साइट कहते हैं। हालांकि अधिकतर मामलों में यह मिथ्या है। पहली नजर में प्यार नहीं सिर्फ आप सामने वाले के प्रति आकर्षित होते हैं। उनका आकर्षण उनके लुक्स तक सीमित होता है। भविष्य में उनके लुक्स में बदलाव होने पर प्यार खत्म हो जाता है। प्यार के लिए पार्टनर के व्यवहार, व्यक्तित्व के बारे में पता होना चाहिए।

प्यार में परवाह

जब आप किसी से आकर्षित होते हैं तो उन्हें अपनी भावनाएं बताना चाहते हैं। उनके सामने खुद को साबित करना चाहते हैं। आप पार्टनर की परवाह करते हैं, ये दिखाते या जताते हैं। लेकिन जब आपको किसी से प्यार होता है तो आप उसकी परवाह असल में करते हैं। आपको इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि पार्टनर आपको आपकी परवाह दिखे।

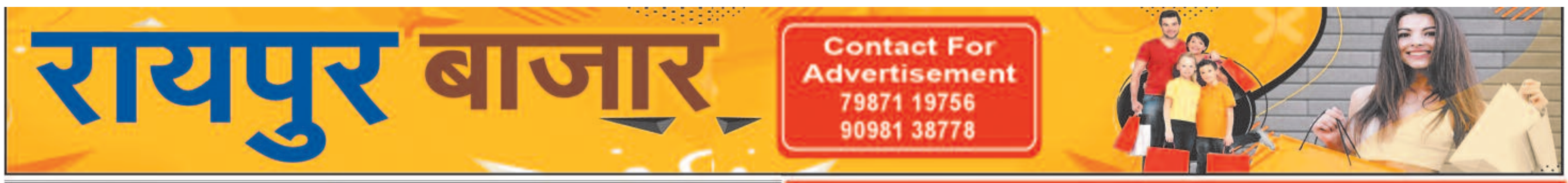

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

तीन दशक बाद अलग हुआ 'बार्बी गर्ल' गाना बनाने वाला बैंड 'एक्वा'

वर्ल्ड फैमस 'एक्वा' बैंड ने लाइव बैंड के तौर पर अपने सफर को खत्म करने का फैसला किया है। 'बार्बी गर्ल' सांग से मशहूर होने वाले इस बैंड ने सोशल मीडिया के

जरिए इसकी जानकारी फैंस के साथ साझा की। पॉपुलर सांग 'बार्बी गर्ल' को दुनिया भर के फैंस ने काफी प्यार दिया था। इसके साथ ही डेनमार्क के यूरोडांस समूह 'एक्वा' एक ब्रांड के तौर पर उभरा था। मगर अब लाइव बैंड के रूप में काम न करने का फैसला किया है। सोशल मीडिया के जरिए बैंड ने आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा की।

डेनमार्क स्थित यूरोडांस समूह 'एक्वा' ने लगभग तीस साल बाद बैंड की समाप्ति की जानकारी फैंस को दे दी है। 1997 में रिलीज हुए गाने 'बार्बी गर्ल' से सफलता पाने वाले यह बैंड दुनियाभर में मशहूर था। 18 मई को इस खबर को प्रशंसकों से साझा करते हुए कहा,'अलविदा कहने का यह सही समय है। जबकि संगीत ,कहानी और एक-दूसरे के प्रति हमारा प्यार बरकरार है। कई शानदार वर्षों के बाद हमने इसके लाइव बैंड के रूप में 'एक्वा' को समाप्त करने का फैसला लिया है।'

'एक्वा' बैंड के सदस्य निस्ट्रॉम, रेने डिफ और सोरेन रास्टेड ने अपनी पोस्ट में फैंस का शुक्रिया कहा। उन्होंने बैंड से जुड़ी यादें शेयर करते हुए कहा, ' हमने अनगिनत बार दुनिया की यात्रा की। इसके साथ ही ऐसी खूबसूरत यादें एकत्रित की हैं जो हमेशा हमारे साथ रहेंगी। हमने यह निर्णय अपनी रचनाओं को सुरक्षित करने के लिए किया है। फैंस को उनका प्यार बैंड को देने के लिए शुक्रिया।'प्रसिद्ध पॉप बैंड 'एक्वा' ने 1990 में म्यूजिक की दुनिया में अपनी शुरुआत की थी।

टॉलीवुड

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 'दृश्यम 3' के रिलीज की तैयारी, जल्द पूरी होगी दर्शकों की मांग

मोहनलाल की 'दृश्यम 3' 21 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अब आगे इसे ओ टी टी

प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की तैयारी है।

मोहनलाल की फिल्म 'दृश्यम 3' रिलीज से पहले ही सुर्खियों में थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। अब फैंस इसके ओटीटी पर आने का इंतजार कर रहे हैं। जैसा कि खुद प्लेटफॉर्म ने कंफर्म किया है, यह फिल्म आधिकारिक तौर पर अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। प्लेटफॉर्म ने साफ किया है कि वह फिल्म का ऑफिशियल स्ट्रीमिंग पार्टनर है, हालांकि मेकर्स और प्राइम वीडियो ने अभी तक ओटीटी रिलीज की सटीक तारीख का ऐलान नहीं किया है।

प्राइम वीडियो ने पहले ही बताया था कि 'दृश्यम 3' अपने थिएटर रन खत्म होने के बाद उनके प्लेटफॉर्म पर आएगी। आमतौर पर कोई भी थिएट्रिकल फिल्म 6 से 8 हफ्तों के भीतर ओटीटी पर रिलीज हो जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह फिल्म जून के आखिर या जुलाई की शुरुआत में स्ट्रीम होना शुरू हो सकती है, लेकिन फिलहाल इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ओटीटी रिलीज को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट बना हुआ है। खासकर उन लोगों के लिए जो मोहनलाल की इस फिल्म को घर बैठे देखना चाहते हैं। 21 मई को थिएटर्स में रिलीज होने के बाद भी फिल्म सिनेमाघरों में चल रही है, लेकिन इसके ओटीटी रिलीज डेट का इंतजार अभी जारी है। 'दृश्यम 3', 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की तीसरा पार्ट है। इस फिल्म का पहला पार्ट साल 2013 में रिलीज हुआ था। 4.50 करोड़ रुपये की लागत से बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 42.50 करोड़ रुपये कमाए थे।

भोजपुरी

स्पॉट हुए आम्रपाली दुबे-निरहुआ मुंबई में , पैपराजी ने ले ली चुटकी

हाल ही में भोजपुरी इंडस्ट्री के फेवरेट ऑन-स्क्रीन कपल आम्रपाली दुबे और निरहुआ को साथ में स्पॉट किया गया। इस दौरान एक्ट्रेस से बातचीत के दौरान पैपाराजी ने उनसे मजाकिया अंदाज में निरहुआ के इंतजार करने की बात बोले। भोजपुरी सिनेमा में कुछ सितारों के नाम पिक्चरों में दिखी उनकी जोड़ी के साथ ही फेमस होते हैं, जिनमें से एक

जोड़ी आम्रपाली दुबे और निरहुआ की है। दोनों को साथ में खूब पसंद किया जाता है। अक्सर ही ये जोड़ी लोगों के बीच फिल्म या गाने को लेकर चर्चा में रहती है, हाल ही में दोनों को एक साथ स्पॉट किया गया, जहां पर पैपराजी एक्ट्रेस के साथ मजाक-मस्ती करते दिखे। सोशल मीडिया पर ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है और लोग इसे पसंद भी कर रहे हैं।

आम्रपाली दुबे और निरहुआ ने एक साथ कई कमाल की फिल्में, गाने दिए हैं। भोजपुरी में से लोगों की ऑनस्क्रीन फेवरेट जोड़ी हैं, हालांकि कई बार रील लाइफ के बाहर रियल लाइफ में भी दोनों का नाम जोड़ा जाता है। इनके रिश्ते पर भी सवाल किए जा चुके हैं। हाल ही की बात करें, तो आम्रपाली को मुंबई में एक शॉप के बाहर स्पॉट किया गया, जहां पर उन्होंने पैपराजी से बात की। इस दौरान उन्होंने निरहुआ को लेकर मजाकिया लहजे में कहा कि भैया आपका इंतजार कर रहे हैं गाड़ी में। पैपराजी के इस बात पर एक्ट्रेस ने करारा जवाब देते हुए कहा, तुम लोग पहले इंतजार कर रहे हो मेरा। इसके बाद एक्ट्रेस गाड़ी में जाकर बैठ जाती हैं, जिसमें निरहुआ भी होते हैं।

हाथों का कमाल

वैशाली के कुटूर रेट्रोस्पेक्टिव ने हथकरघा बुनकरों की कारीगरी की विशालता को फैशन शो में दिखाया गया। वहीं हैंडलूम के ज़्यादा प्रोडक्शन की चुनौती को भी उजागर किया गया। यहां 'नादः द साउंड ऑफ़ द लूम' नाम से एक कुटूर प्रेज़ेंटेशन पेश किया। कपड़ा मंत्रालय और हैंडलूम विकास आयुक्त के सहयोग से आयोजित इस शो में 52 अलग-अलग लुक्स की एक रेट्रोस्पेक्टिव झलक दिखाई गई, जिन्हें बुनाई की एक शानदार रेंज से चुना गया था।

घर पर काट रही हैं बाल तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान, वरना बिगड़ जाएगा आपका पूरा लुक

बाल हमारे लुक को स्टाइलिश और खराब बनाने में काफी अहम किरदार निभाते हैं। यदि इन्हें सही तरह से स्टाइल नहीं किया गया तो हमारा लुक पूरी तरह से बिगड़ सकता है, वहीं सही कटिंग और हेयर स्टाइल आपको एकदम सिलेब जैसा दिखने में मदद कर सकती है।

वैसे तो ज्यादातर लोग बालों को सेट कराने के लिए सैलून जाना पसंद करते हैं, लेकिन आज भी बहुत से लोग घर में बाल काटना पसंद करते हैं। यदि आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जो पैसे और समय बचाने के लिए घर पर बाल काटते हैं, तो आपको कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। यहां हम आपको इन्हीं बातों के के बारे में बताने जा रहे हैं, तकि आपका लुक भी एकदम परफेक्ट लगे और आप घर पर ही परफेक्ट तरह से बालों को काट सकें।

सही होने चाहिए टूल्स

यदि आप घर पर बाल काट रहे हैं तो ध्यान रखें कि इसके टूल्स एकदम परफेक्ट होने चा हि ए । खासतौर पर यदि बाल काटने वाली कैंची शार्प और फ्लैट ब्लेड वाली नहीं होगी, तो इससे

बाल कटने में काफी परेशानी होगी। कभी भी साधारण रसोई वाली कैंची से तो बालों को गलती से भी न काटें।

बालों को सुलझाना है जरूरी

बाल काटने से पहले उन्हें अच्छी तरह से सुलझा लें। यदि आप बालों को सुलझाएंगे नहीं तो इससे बालों की सही शेप पता नहीं लगेगी और ये ऊपर-नीचे दिखेंगे। ऐसे में पहले अपने बालों को अच्छी तरह से सुलझाएं और उसके बाद ही इन्हें काटना शुरू करें।

बालों को गीला करना है जरूरी

यदि घर पर बाल काट रहे हैं तो भी उन्हें हल्का गीला करें। ऐसा इसलिए क्योंकि सूख जाने के बाद बाल मुड़ने लगते हैं, जिस कारण इसका असली आकार देखने को नहीं मिलता। इसलिए बाल काटने से पहले उन्हें हल्का सा गीला कर लें, ताकि पहले तो ये सही से कट जाए और दूसरा आपको सही से पता लग पाए कि इन्हें किस आकार में काटना है।

एक साथ न काटें

बाल काटने का ये सबसे अहम रूल है। कभी भी एक साथ ढेर सारे बाल न काटें। हमेशा थोड़े-थोड़े बाल लेकर ही उन्हें काटें। कई बार जल्दबाजी के चक्कर में हम एक साथ काफी ज्यादा बाल काट लेते हैं, जिससे बालों की लंबाई काफी घट जाती है। इसलिए हमेशा थोड़े-थोड़े ही बाल काटें।

लड़कियों के लिए परफेक्ट हैं लहंगे, एक नजर में आएंगे

शादी का सीजन जारी है। ऐसे में जिसके घर में भी शादी है, वो उत्साह के साथ शादी की तैयारियों में जुटा है। एक समय था, जब लोग सिर्फ इस बात पर ध्यान देते थे, कि दूल्हा-दुल्हन का लुक सबसे खूबसूरत लगे, लेकिन अब दौर बदल गया है।

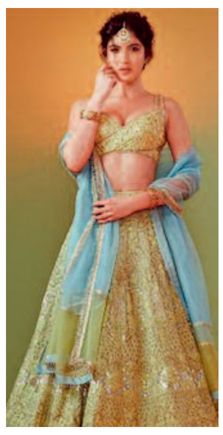

आज के समय में हर कोई शादी में खूबसूरत दिखना चाहता है। फिर चाहे ये शादी उनके घर में हो, या हो उनके किसी खास दोस्त की। खासतौर पर लड़कियों की बात करें, तो वो शादी के लिए कई-कई महीने पहले से तैयारी शुरू कर देती हैं। वो चाहती हैं, कि उनका लहंगा, मेकअप, ज्वेलरी सबसे अलग और खूबसूरत दिखे।

ऐसे में हम आपको आज शनाया कपूर के कुछ खूबसूरत और ग्लैमरस लुक वाले लहंगे दिखाने जा रहे हैं। देश भर के प्रमुख डिजाइनरों के लहंगे के डिजाइन ऐसे होते हैं कि आप भी उसे पहनकर शादी में अपना जलवा दिखा सकती हैं।

हरा लहंगा

अगर आपको डार्क रंग पसंद हैं, तो हैवी वर्क वाला हरे रंग का लहंगा आपके लिए बेहद खूबसूरत विकल्प है। इस लहंगे के साथ आप भी ऑफ शोल्डर ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए आप स्लीक स्टाइल में बन बनाएं।

गुलाबी अंदाज

गुलाबी रंग का सिल्क का लहंगा आपको खूबसूरत दिखने में मदद करेगा। बालों में जूड़ा और गले में नेकपीस से आप अपने लुक को पूरा कर सकती हैं।

सुनहरा अंदाज

गोल्डन लहंगा और उसके साथ ट्यूब स्टाइल का ब्लाउज आपको शादी में ग्लैमरस लुक देगा। ध्यान रखें कि इसके दुपट्टे को गले में चिपका कर ही डालें, ताकि आपका स्टाइलिश ब्लाउज दिख सके। अगर आपको रंग बिरंगी चीजें काफी पसंद हैं, तो मल्टीकलर लहंगा आपको जरूर पसंद आएगा।

2 मिनट का आइस मसाज देगा इंस्टेंट ग्लो, पर भूल से भी न करें ये गलती

क्या गर्मियों में चेहरे पर बर्फ लगाना फायदेमंद है? गर्मियों में चेहरे पर बर्फ लगाने से त्वचा को ठंडक, फ्रेशनेस और ग्लो मिल सकता है। यह सूजन और पिंपल्स कम करने में मदद करती है, लेकिन ज्यादा देर तक इस्तेमाल करने से त्वचा को नुकसान भी हो सकता है।

गर्मियों का मौसम आते ही तेज धूप, पसीना और गर्म हवा त्वचा पर सीधा असर डालने लगती है। इस मौसम में चेहरे पर ऑयल, पिंपल्स, टैनिंग और जलन जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में कई लोग चेहरे को ठंडक और ताजगी देने के लिए बर्फ का इस्तेमाल करते हैं। सोशल मीडिया और ब्यूटी टिप्स में भी आइस फेशियल काफी ट्रेंड कर रहा है। कहा जाता है कि चेहरे पर बर्फ लगाने से स्किन टाइट होती है, पिंपल्स कम होते हैं और ग्लो बढ़ता है। लेकिन क्या रोजाना बर्फ लगाना सच में फायदेमंद है?

त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, चेहरे पर बर्फ लगाने के कई फायदे हैं, लेकिन गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर नुकसान भी हो सकते हैं। ज्यादा देर तक बर्फ लगाने से स्किन ड्राई, रेड

या सेंसिटिव हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि बर्फ का इस्तेमाल सही तरीके और सही समय पर किया जाए।

अगर आप भी गर्मियों में आइस फेशियल या चेहरे पर बर्फ लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले इसके फायदे, नुकसान और सही इस्तेमाल का तरीका जरूर जान लें। इससे आपकी त्वचा हेल्दी, फ्रेश और ग्लोइंग बनी रह सकती है।

चेहरे पर बर्फ लगाने के फायदे

स्किन को तुरंत ठंडक और ताजगी मिलती है। बर्फ चेहरे की गर्मी और जलन कम करने में मदद करती है।

बेजान दिखने लगी है हाथ-पैर की त्वचा तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द दिखने लगेगा असर

अगस्त का महीना चल रहा है। इस महीने में कभी तो तेज धूप निकल रही है, कभी तेज बारिश हो रही है। बारिश के बाद होने वाली उमस की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस परेशानी का सीधा असर लोगों की त्वचा पर दिखाई दे रहा है। बदलते मौसम की वजह से ही त्वचा पर रूखापन नजर आने लगा है। इसके साथ ही चेहरा काफी डल लगने लगा है।

ऐसे में वापस से ग्लो पाने के लिए आप या तो पार्लर जाकर स्किन ट्रीटमेंट करा सकते हैं या फिर कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर वापस निखरती हुई त्वचा पा सकते हैं। बहुत से लोग पार्लर जाकर पैसे खर्च करने से कतराते हैं। ऐसे में आज के लेख में हम आपको त्वचा की डलनेस कम करने के लिए कुछ घरेलू तरीके बताने जा रहे हैं ताकि आपको निखरती हुई त्वचा पाने के लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की जरूरत ना पड़े।

नींबू का रस और शहद

इस पैक से आपकी त्वचा में निखार दिखने लगेगा। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस एक कटोरी में एक चम्मच ताजा नींबू का रस निचोड़ना है और उसमें

बराबर मात्रा में शहद डालकर मिलाना है। इस पेस्ट को आधे घंटे के लिए त्वचा पर लगाएं और फिर चेहरा धो लें। इससे चेहरे पर ब्राइटनेस आती है।

दही और टमाटर

इन चीजों के इस्तेमाल से त्वचा की डलनेस काफी हद तक कम हो जाती है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक टमाटर लें और उसका छिलका निकाल दें। अब इसमें 1-2 टेबलस्पून ताजा दही डालकर इसका पेस्ट बनाएं। इसको आप प्रभावित जगहों पर लगाकर निखरती त्वचा पा सकते हैं।

कार्नर न्यूज

बियर्ड स्टाइल को माना जाता है मेंस फैशन में सबसे अहम

स्टबल से लेकर फुल बियर्ड तक जैसा चाहें रखिए स्टाइल, ट्रेंड के बजाए अपनी पसंद को दीजिए तरजीह

लड़के जब दाढ़ी सेट कराने जाते हैं तो काफी कंफ्यूज रहते हैं कि कैसा स्टाइल आज-कल ट्रेंड में है। ऐसे में यहां हम आपको कुछ स्टाइल बताएंगे। लड़कों के लुक और पर्सनैलिटी में दाढ़ी एक अहम भूमिका निभाती है। दाढ़ी सिर्फ चेहरे की पहचान नहीं, बल्कि स्टाइल और कॉन्फिडेंस का भी हिस्सा बन चुकी है। यही वजह है कि अब ज्यादातर युवा अपने फेस शेप और ट्रेंड के अनुसार अलग-अलग बीयर्ड स्टाइल अपनाते हैं। लेकिन जब बात सैलून में दाढ़ी सेट कराने की आती है, तो अक्सर कंफ्यूजन हो जाता है कि कौन-सा स्टाइल उन पर सूट करेगा।

सोशल मीडिया और फैशन ट्रेंड्स के इस दौर में हर दिन नए-नए बियर्ड लुक्स सामने आते रहते हैं। कहीं स्टबल लुक पसंद किया जाता है तो कहीं फुल बियर्ड या फेड स्टाइल ट्रेंड में रहता है। सही दाढ़ी स्टाइल न सिर्फ चेहरे को आकर्षक बनाता है, बल्कि पर्सनालिटी को भी निखारता है। इसलिए सही स्टाइल चुनना बेहद जरूरी हो जाता है।

स्टबल लुक

स्टबल लुक आज के समय में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला मिनिमल दाढ़ी स्टाइल है। इसमें दाढ़ी को बहुत ज्यादा बढ़ने नहीं दिया जाता, बल्कि 2–3 दिन की हल्की ग्रोथ को मेंटेन किया जाता है। यह लुक खासकर उन लोगों पर अच्छा लगता है जिनका फेस क्लीन और शार्प है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें ज्यादा मेंटेनेंस की जरूरत नहीं होती। ऑफिस जाने वाले और कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए यह एक क्लासी और सटल ऑप्शन माना जाता है। यह लुक चेहरे को थोड़ा रफ लेकिन आकर्षक बनाता है।

फुल बियर्ड

फुल बियर्डबियर्ड स्टाइल में पूरी दाढ़ी को बढ़ाया जाता है और उसे शेप देकर मेंटेन किया जाता है। यह स्टाइल मर्दाना और दमदार पर्सनालिटी को दर्शाता है। जिन लोगों का फेस थोड़ा लंबा या ओवल शेप का होता है, उन पर यह लुक बहुत अच्छा लगता है। इस स्टाइल में नियमित ऑयलिंग, ट्रिमिंग और कंघी करना जरूरी होता है ताकि दाढ़ी साफ और स्टाइलिश दिखे। यह लुक आजकल काफी ट्रेंड में है और इसे सेलिब्रिटीज भी अपनाते हैं।

फेड बियर्ड

फेड बियर्ड एक मॉडर्न और स्टाइलिश लुक है, जिसमें दाढ़ी को साइड्स से धीरे-धीरे पतला किया जाता है। यह हेयरकट और दाढ़ी के बीच एक स्मूद ट्रांजिशन बनाता है, जिससे पूरा फेस एक ग्रूम्ड और फ्रेश लुक देता है। यह स्टाइल खासकर युवाओं में बहुत पॉपुलर है। इसे सही शेप देने के लिए प्रोफेशनल सैलून की जरूरत पड़ती है।

गोटी बीयर्ड

गोटी स्टाइल में दाढ़ी सिर्फ चिन और मूंछों के आसपास होती है, जबकि गालों पर बाल नहीं होते। यह एक साफ और स्मार्ट लुक देता

है। यह स्टाइल उन लोगों के लिए अच्छा है जो कम दाढ़ी रखना पसंद करते हैं लेकिन स्टाइलिश दिखना चाहते हैं। यह लुक फेस को थोड़ा शार्प और डिफाइंड बनाता है और प्रोफेशनल सेटिंग में भी सूट करता है।

फ्रेंच बीयर्ड

फ्रेंच बीयर्ड में मूंछ और चिन की दाढ़ी को जोड़कर एक फ्रेम जैसा लुक बनाया जाता है। यह एक क्लासिक और रॉयल स्टाइल माना जाता है। यह लुक फेस को बैलेंस्ड और स्ट्रक्चर्ड दिखाता है।